चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की इस दौरान पीएम मोदी और रजनीकांत मौजूद रहे। टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू बुधवार को विजयवाड़ा में चौथे कार्यकाल के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः182 दिनांकः13-06-2024 गुरूवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

भारतीय टीम ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे की दमदार साझेदारी से अमेरिका को टी20 विश्व कप के ग्रुप-ए मुकाबले में सात विकेट से हराकर सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

केंद्र सरकार के अधिकारी तैयारी में जुटे जुलाई में आएगा पूर्ण बजट! सरकारी नौकरीपेशा और महिलाओं के लिए खुलेगा खजाना

नई दिल्ली(ईएमएस)। मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट जुलाई के पहले या तीसरे सप्ताह में आ सकता है। पहले पूर्ण बजट में महिलाओं-किसानों और युवाओं के लिए सरकार खजाना खोल सकती है। युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाने के नए उपाय बजट में दिखाई दे सकते हैं, तो महिलाओं को लखपति बनाने की भाजपा की योजना को आगे बढ़ाने के लिए सरकार भारी निवेश की घोषणा कर सकती है। केंद्र सरकार ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के इलाज के लिए बड़ी घोषणा भी कर सकती है। इसके लिए एक माह का सत्र बुलाया जा सकता है। चुनावी वर्ष होने के कारण फरवरी माह में सरकार ने अंतरिम बजट पेश किया था जिसमें किसी बड़ी घोषणा से दूरी बरती गई थी।

केंद्र सरकार के लिए आने वाले वर्षों में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सबसे बड़ी चुनौती रहने वाला है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार एक बार फिर सडक़ परिवहन, बंदरगाह, रेल, विभिन्न शहरों में मेट्रो, मोनोरेल और हवाई अड्डों के विकास को अपनी प्राथमिकता में रख सकती है। स्टार्टअप और स्किल इंडिया के विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए विकास देना सरकार की प्राथमिकता रह सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आयकर छूट की सीमा पहले ही काफी अधिक है, लिहाजा इसे और ज्यादा बढऩे की संभावना नहीं है। लेकिन सरकारी नौकरी पेशा लोगों की बचत बढ़ाने के लिए जीवन बीमा निगम और शेयर बाजार सहित विभिन्न योजनाओं में निवेश के बाद उन्हें और ज्यादा टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है।

ग्रीन बजट पर रहेगा जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के एक करोड़ घरों पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इसके लिए केंद्रीय बजट में बड़े निवेश की घोषणा की जा सकती है। इससे सौर ऊर्जा सेक्टर में तेजी आ सकती है, तो लोगों को स्वच्छ हरित ऊर्जा प्राप्त करने में भी मदद मिल सकती है। इसी साल हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसका असर भी केंद्र सरकार के पूर्ण बजट पर दिखाई दे सकता है।

बड़े निवेश से अर्थव्यवस्था को मिलेगी तेज रफ्तार

आर्थिक मामलों के जानकार डॉ. नागेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही गरीबों के लिए तीन करोड़ नए मकान बनाने की घोषणा कर दी है। पहले पूर्ण बजट में इस योजना के लिए भारी धनराशि जारी की जा सकती है। इस राशि के बाजार में आने से सीमेंट, स्टील, पेंट्स, ईंट, वाहन, फर्नीचर सहित लगभग 50 क्षेत्रों में तेजी आ सकती है। चूंकि, केंद्र सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण इलाकों में गरीबों को आवास उपलब्ध कराने की अधिक है, लिहाजा इस योजना का अधिकतम हिस्सा ग्रामीण इलाकों में जा सकता है। इससे ग्रामीण इलाकों में रोजगार के निर्माण में मदद मिलेगी। विशेषकर आदिवासी बहुल इलाकों में गरीबों को आवास देना सरकार की प्राथमिकता में रह सकता है।

18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 से

-राज्यसभा की कार्यवाही 27 जून से; 3 जुलाई तक सदन में होंगे काम

नई दिल्ली(ईएमएस)। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा। इसके अलावा 264वीं राज्यसभा का सत्र 27 जून से प्रारंभ होगा। इस दौरान नव निर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण, लोकसभा के अध्यक्ष का चुनाव, राष्ट्रपति का अभिभाषण और उस पर चर्चा की जाएगी। दोनों सदनों के सत्र तीन जुलाई तक चलेंगे। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इसकी जानकारी दी।

राष्ट्रपति 27 जून को संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी

संसदीय कार्य मंत्री ने बुधवार को बताया कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून को शुरू होगा, जिसमें नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे। सत्र के पहले तीन दिन नवनिर्वाचित नेताओं को शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही सदन के अध्यक्ष का चुनाव भी कराया जाएगा। सत्र का समापन 3 जुलाई को होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी और अगले पांच वर्षों के लिए नई सरकार के रोडमैप की रूपरेखा पेश करेंगी।

विपक्ष रह सकता है आक्रामक, पीएम मोदी देंगे जवाब

लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के शानदार प्रदर्शन के बाद उम्मीद है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में इंडी गठबंधन आक्रामक रह सकता है। वे एनडीए सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की कोशिश कर सकते हैं। प्रधानमंत्री संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब भी देंगे।

कुवैत में लेबर रुम में लगी आग......41 भारतीयों की मौत,30 से अधिक घायल

नई दिल्ली(ईएमएस)। कुवैत के मंगाफ में बुधवार सुबह एक इमारत में लगी भीषण आग में 41 लोगों की मौत हो गई और 30 घायल हो गए। मरने वालों में 40 भारतीय शामिल हैं। कुवैत में भारतीय दूतावास ने कहा कि आग की घटना में 30 से अधिक भारतीय श्रमिक घायल हो गए। घटना स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे मंगाफ शहर में हुई। न्यूज एजेंसी रायटर के हवाले से एक वरिष्ठ पुलिस कमांडर ने स्टेट टीवी को बताया कि जिस इमारत में आग लगी, उसका इस्तेमाल श्रमिकों के आवास के लिए किया जाता था और वहां बड़ी संख्या में श्रमिक थे।

अधिकारियों ने बताया कि आग बुधवार तडक़े कुवैत के दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगाफ इलाके में छह मंजिला इमारत की रसोई में लगी। अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि इमारत में करीब 160 लोग रहते थे, जो एक ही कंपनी के कर्मचारी हैं। कुवैत में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय श्रमिकों से जुड़ी आग की दुखद घटना के संबंध में दूतावास ने एक इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर +965-65505246 शुरू किया है। सभी संबंधित लोगों से अनुरोध है कि वे अपडेट के लिए इस हेल्पलाइन से जुड़ें। दूतावास हर संभव सहायता करेगा।

घायलों से मिले भारत के राजदूत

कुवैत में भारत के राजदूत आदर्श स्वैका ने अल-अदन अस्पताल का दौरा किया, जहां आग की घटना में घायल हुए 30 से अधिक भारतीय लेबर को भर्ती कराया गया है। उन्होंने कई मरीजों से मुलाकात की और उन्हें दूतावास की ओर से पूरी सहायता का आश्वासन दिया। अस्पताल अधिकारियों ने बताया कि लगभग सभी की हालत स्थिर है।

बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार करने का आदेश

कुवैत के आंतरिक मंत्री शेख फहाद अल-यूसुफ अल-सबाह ने पुलिस को मंगाफ बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। साथ ही बिल्डिंग के चौकीदार और घटनास्थल पर आपराधिक साक्ष्य कर्मियों की जांच पूरी होने तक श्रमिकों के लिए जिम्मेदार कंपनी के मालिक को भी गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। मंत्री ने आग लगने की जगह का दौरा करने के बाद एक बयान में कहा कि आज जो कुछ हुआ, वह कंपनी और बिल्डिंग मालिकों के लालच का नतीजा है। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी तरह के सुरक्षा आवश्यकताएं पूरी करने का आदेश दिया है।

महाराष्ट्र पहुंचने के बाद धीमा हो गया मानसून

नई दिल्ली (ईएमएस)। मौसम विभाग ने दावा किया है कि पश्चिमी क्षेत्रों में समय से पहले मानसून के पहुंचने के बाद उसकी गति कमजोर पड़ गयी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि, महाराष्ट्र पहुंचने के बाद मानसून धीमा हो गया है और इसे फिर से गति हासिल करने में एक सप्ताह लग सकता है।

अधिकारी ने बताया कि मुंबई में मानसून तय समय से करीब दो दिन पहले पहुंच गया, लेकिन मध्य और उत्तरी राज्यों में इसके फैलाव में देरी हो सकती है। आईएमडी डेटा के अनुसार, उत्तरी राज्यों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और 46 डिग्री सेल्सियस (108 डिग्री फ़ारेनहाइट से 115 डिग्री फ़ारेनहाइट) के बीच है, जो सामान्य से लगभग 3 से 5 डिग्री सेल्सियस (5 डिग्री फ़ारेनहाइट और 9 डिग्री फ़ारेनहाइट) अधिक है।

उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और ओडिशा जैसे उत्तरी और पूर्वी राज्यों में अगले दो हफ्तों में हीटवेव जारी रहने की संभावना है। मौसम मॉडल गर्मी से जल्द राहत का संकेत नहीं दे रहे हैं। मानसून में देरी का असर मैदानी इलाकों के तापमान पर पड़ेगा

भारत एशिया के उन कई हिस्सों में से एक है जहां असामान्य रूप से भीषण गर्मी पड़ रही है, वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण स्थिति और खराब हो गई है। इस महीने, नई दिल्ली में कुछ स्थानों पर अब तक का सबसे अधिक तापमान 49।9 डिग्री सेल्सियस (122 डिग्री फ़ारेनहाइट) दर्ज किया गया, जबकि 44 डिग्री सेल्सियस (112 डिग्री फ़ारेनहाइट) तक की गर्मी में पानी की कमी से जूझना पड़ा। अगले दो हफ्तों में मध्य, उत्तरी और कुछ पश्चिमी राज्यों में बारिश सामान्य से कम होने की संभावना है। आईएमडी का कहना है कि 1 जून को सीज़न शुरू होने के बाद से भारत में सामान्य से 1ञ् कम बारिश हुई है।

ओडिशा में पहली बार भाजपा सरकार, मोहन चरण माझी बने सीएम, साथ में दो डिप्टी सीएम ने ली शपथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण के बाद ओडिशा में सीएम पद का शपथ ग्रहण हुआ। राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार बनी है और 24 साल बाद राज्य को नया सीएम मिला ने है। मोहन चरण माझी ने सीएम पद की शपथ ली। उनके साथ दो डिप्टी सीएम कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा ने भी शपथ ली।

माझी मंत्रिमंडल में 13 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें सुरेश पुजारी, रबिनारायण नाइक, नित्यानंद गोंड, कृष्ण चंद्र पात्रा, पृथ्वीराज हरिचंदन, मुकेश महालिंग, बिभूति भूषण जेना, कृष्ण चंद्र महापात्रा, गणेश राम सिंह खुंटिया, सूर्यवंशी सूरज, प्रदीप बालसामंता, गोकुला नंद मल्लिक और संपद कुमार स्वैन शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, अमित शाह के अलावा उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, हरियाणा, गोवा और उत्तराखंड के सीएम भी मौजूद रहे।

अमेरिका को हराकर सुपर आठ में पहुंचा भारत, सूर्यकुमार यादव का नाबाद अर्धशतक

न्यूयॉर्कः भारत का सामना सह-मेजबान अमेरिका से न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल स्टेडियम में हो रहा है। दोनों ही टीमें टूर्नामेंट में अब तक अजेय हैं और दो भी टीम ये मुकाबला जीतेगी वो सुपर आठ के लिए क्वालिफाई कर लेगी।

भारतीय टीम ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे की दमदार साझेदारी से अमेरिका को टी20 विश्व कप के ग्रुप-ए मुकाबले में सात विकेट से हराकर सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया है। अमेरिका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 110 रन बनाए। जवाब में सौरभ नेत्रवलकर ने भारत को शुरुआत में ही दो झटके दिए, लेकिन सूर्यकुमार यादव ने शानदार अर्धशतक लगाकर टीम को मुश्किल से उबारा और उनका दूसरे छोर पर शिवम दुबे ने बखूबी साथ निभाया। इन दोनों बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन ने भारत ने 18.2 ओवर में तीन विकेट पर 111 रन बनाकर जीत दर्ज की। भारत की इस टूर्नामेंट में यह लगातार तीसरी जीत है और उसने छह अंक लेकर सुपर आठ में जगह पक्की कर ली है। इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर अमेरिका को बल्लेबाजी का न्योता दिया लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पहले ही ओवर में अमेरिका को दोहरा झटका दिया।

खुदरा महंगाई दर घटकर हुई 4.75 प्रतिशत

-यह 12 महीने के निचले स्तर पर, जुलाई 2023 में 4.44त्न थी

नई दिल्ली(ईएमएस)। मई में रिटेल महंगाई 4.75 प्रतिशत रही। यह 12 महीने का निचला स्तर है। जुलाई 2023 में यह 4.44 प्रतिशत थी। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस ने बुधवार 12 जून को ये आंकड़े जारी किए।

अप्रैल में रिटेल महंगाई घटकर 4.83 प्रतिशत पर आ गई थी। तब यह 11 महीने के सबसे कम लेवल पर थी। जून 2023 में यह 4.81 प्रतिशत थी। हालांकि अप्रैल महीने में खाने-पीने की चीजें महंगी हुई थीं। महंगाई का बढऩा और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

अखिलेश यादव ने विधायकी से दिया इस्तीफा

लखनऊ(ईएमएस)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी की करहल विधानसभा सीट और नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। 1 दिन पहले उन्होंने इसका ऐलान किया था। अखिलेश के साथ अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने भी विधायकी से इस्तीफा दे दिया। अवधेश प्रसाद ने कहा- हमने और राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफा भेज दिया है।

महाराष्ट्र में सियासी रारः सीएम शिंदे ने मारे भाजपा को ताने,हार के लिए बताया जिम्मेदार

मुंबई(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत नहीं मिला है। केंद्र में एनडीए की सरकार बनी है। जो भी घटक दल हैं उनकी अपनी अपेक्षाएं हैं। उन्हे पूरा करने की भी अपनी सीमाएं हैं। ऐसे में सभी घटक दलों को संतुष्ट कर पाना असंभव है। नतीजा ये है कि इनकी नाराजगी आना शुरु हो गई है। एनडीए का सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे) ने भी आंखे दिखाना शुरु कर दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र में भाजपा को हार के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कह दिया कि 400 पार के नारे ने लुटिया डुबो दी। एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के '400 पार' वाले पर तंज कसते हुए कहा, 'बीजेपी ने '400 पार' का नारा दिया और लोकसभा चुनाव में 400 से ज़्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा, लेकिन कुछ इलाकों में इसे लेकर निगेटिव नैरेटिव सेट किया गया कि संविधान बदल दिया जाएगा और '400 पार' के लक्ष्य को इससे जोड़ दिया गया।

दरअसल महाराष्ट्र में शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के लोकसभा में 7 और राज्यसभा में एक सांसद हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली नवगठित सरकार में पार्टी को आयुष मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री का पद मिला है। शिवसेना के कई नेता भी मोदी कैबिनेट में जगह न मिलने को लेकर हाल के दिनों में नाराजगी जता चुके हैं। मावल से लोकसभा सदस्य श्रीरंग बारणे ने भी कहा शिवसेना को एक कैबिनेट और दो राज्यमंत्री पद मिलने से कुछ सांसदों को जगह मिल जाती, लेकिन सही समय पर उनकी मांग पूरी की जाएगी। शिंदे ने इस नारे के साइड इफेक्ट बताते हुए कहा, 'लोगों ने विपक्ष की इस बात को ध्यान में रखा और इसका उल्टा असर हुआ। उनकी गाड़ी 300 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। कई राज्यों में उन्हें बड़ा झटका लगा। इसी कारण से महाराष्ट्र में भी महायुति को वह सफलता नहीं मिली, जिसकी उसे उम्मीद थी।' शिवसेना प्रमुख ने कहा, 'बड़े पैमाने पर झूठे नैरेटिव और झूठी अफवाह लोगों में फैलाई गई कि संविधान बदला जाएगा, आरक्षण कम होगा। उसमें मुस्लिम होंगे, दलित होंगे और कई लोग होंगे। इसमें जो आज भ्रम पैदा किया गया यह जरूर लोगों के सामने आएगा। वोट बैंक की जो राजनीति हुई है, यह लोगों को पता चलेगी। निश्चित रूप से जिन्होंने वोट बैंक की राजनीति की है उनके असली चेहरे भी सामने आएंगे। इसके साथ ही महाराष्ट्र के नतीजे पर एकनाथ शिंदे ने कहा, 'मैं यही कहूंगा कि हमारे शिवसेना का जो परफॉर्मेंस है, जो हमारा स्ट्राइक रेट है वह पहले से बेहतर हुआ है। हम 13 सीट लड़े और उसमें से 7 सीटें जीती। मुंबई में 2 लाख से ज्यादा वोट उनसे हमें ज्यादा मिला है। 90 प्रतिशत शिवसेना के वोट में से 40 प्रतिशत हमारे पास है। शिवसेना के बेस पर हमें वोट मिले हैं। इससे साफ जाहिर है की स्ट्राइक रेट में वोट शेयर में हम आगे हैं और लोग हमारे साथ हैं।

डिजिटल अरेस्ट'... के नाम पर लोगों को लगाया जा रहा चूना

रांची (ईएमएस)। डिजिटल ॰स्ढ्ढ्र्रु% साइबर अपराधियों का एक नया हथकंडा है। हथकंडे के सहारे रांची के 5 लोगों से ठगी हुई है, जिसकी रिपोर्ट साइबर सेल में दर्ज हुई है। इन पांच मामलों में ठगी की रकम 80 लाख, दूसरे मामले 84 लाख, तीसरे मामले 30 लाख, चौथे मामले 20 लाख और पांचवां मामला 10 लाख की ठगी का है।

खास बात है कि इन ठगी के शिकार लोगों में सेना के रिटायर्ड अधिकारी के साथ डॉक्टर और सेवानिवृत सरकारी कर्मी भी शामिल हैं। वहीं, मामले की जानकारी देकर सीआईडी साइबर सेल की डीएसपी नेहा बाला कहती हैं कि 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर अपराधियों का एक नया हथियार है और रांची में इस तरह के मामले अब देखने को मिल रहे हैं। इसमें साइबर अपराधी वीडियो कॉल करते हैं और फिर मोबाइल पर हो व्यक्ति को वारंट दिखाया जाता है। कहीं पर सीबीआई, कहीं पर एनआईए या किसी बड़ी एजेंसी के साथ साथ कोर्ट का भी हवाला दे व्यक्ति को डराया जाता है।

बारिश से भूस्खलन, 2 की मौत

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश में गर्मी के दौर के साथ-साथ अब कई राज्यों में बारिश भी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने 12 राज्यों के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना शामिल हैं। मानसून के चलते गोवा और महाराष्ट्र में भी बारिश देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कल्याण-अहमदनगर राजमार्ग के मालशेज घाट पर भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन हुआ। इससे पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर ऑटो रिक्शा पर गिर गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मरने वाले चाचा-भतीजे हैं। मरने वालों के नाम राहुल बबन भालेराव (30) और स्वयं सचिन भालेराव (7) हैं।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला

छिंदवाड़ा (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में छिंदवाड़ा के जवान कबीर दास उईके शहीद हो गए। मंगलवार रात 8 बजे कठुआ जिले के हीरानगर स्थित सैदा सुखल गांव में आतंकी हमला हुआ। इसमें सीआरपीएफ के कॉन्स्टेबल कबीर दास गोली लगने से घायल हो गए थे। बुधवार सुबह वे शहीद हो गए।

35 साल के कबीर दास छिंदवाड़ा की बिछुआ तहसील के पुलपुलडोह के रहने वाले थे। 2011 में उन्होंने सीआरपीएफ जॉइन की थी। 4 साल पहले उनकी शादी हुई थी। परिवार में मां इंदरवति उईके, पत्नी ममता उईके और छोटा भाई है। दो बहनों की शादी हो चुकी है। पिता का निधन हो चुका है। सीआरपीएफ कॉन्स्टेबल कबीर का अंतिम संस्कार गुरुवार को पैतृक गांव पुलपुलडोह में होगा। शव विशेष वाहन से नागपुर से गांव लाया जाएगा। मां ने बताया कि 8 दिन पहले ही 20 दिन की छुट्टी के बाद वे डयूटी पर लौटे थे। उनकी पोस्टिंग भोपाल में होने वाली थी।

तीसरे कार्यकाल में पीएम मोदी की पहली विदेश यात्रा इटली में जी 7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 50 वें जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरूवार को इटली के दौरे पर रवाना होंगे। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने बताया कि सम्मेलन में भारत एक आउटरीच देश के रूप में आमंत्रित किया गया है।

लगातार तीसरे कार्यकाल में पदभार संभालने के बाद यह मोदी की पहली विदेश यात्रा होगी। इससे उन्हें सम्मेलन में उपस्थित अन्य विश्व नेताओं से मिलने का मौका भी मिलेगा।

मोहन क्वात्रा ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन 14 जून को आयोजित किया जाएगा, जहां भारत को आउटरीच देश के रूप में आमंत्रित किया है। यह लगातार तीसरे कार्यकाल में पदभार संभालने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की पहली विदेश यात्रा होगी।

विश्व नेताओं के साथ अहम मुद्दों पर होगी चर्चा

विदेश सचिव क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जी7 शिखर सम्मेलन में उपस्थित अन्य विश्व नेताओं के साथ भारत और वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत करने का अवसर मिलेगा।

सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल सरकार को फटकार.......टैंकर माफिया पर एक्शन क्यों नहीं

पानी की बर्बादी रोकने के लिए क्या प्लान

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली जल संकट पर हो रही सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टैंकर माफिया पर सवाल उठाकर दिल्ली की केजरीवाल सरकार से पूछा कि क्या टैंकर माफिया के खिलाफ कोई कदम उठाया गया है या कार्रवाई की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी कर कहा कि अगर आप टैंकर माफिया के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते हैं, तब हम दिल्ली पुलिस से उनके खिलाफ कार्रवाई करने को कह सकते है। दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि हमने कदम उठाए हैं और अगर पुलिस भी एक्शन ले, तब हमें खुशी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपने पानी की बर्बादी को लेकर क्या कदम उठाए हैं? उस पर रिपोर्ट दें।

सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार के वकील से पूछा कि क्या हिमाचल से हरियाणा को अतिरिक्त 137 क्यूसेक पानी दिया गया या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम लगातार न्यूज़ चैनल पर देख रहे हैं कि किस तरह से दिल्ली में पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी कर कहा कि यह कोई नया मामला नहीं है। पिछले कुछ साल के दौरान यह मामला लगातार कोर्ट के सामने आता रहा है। अगर गर्मियों में हर साल इस तरह की दिक्कत होती है, तब आपने इस परेशानी से निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए?

सुप्रीम कोर्ट ने आप सरकार से पूछा कि जो पानी की बर्बादी होती है उससे निपटने के लिए आपने क्या काम किया? उसके अलावा जो अवैध तरीके से पानी को ले जाया जाता है, उस लेकर क्या किया गया? इस पर दिल्ली सरकार ने कहा हम जवाब दाखिल करते है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम गुरुवार को मामले की फिर से सुनवाई करने को तैयार है।

दुनिया को फिर क्या याद आया क्यूबा संकट ,रुस ने कर दिया कुछ ऐसा कि लोगों में भरी दहशत

हवाना (ईएमएस)। छह दशक से भी ज्यादा समय हो चुका है, जब अमेरिका और तत्कालीन सोवियत यूनियन इतिहास में परमाणु युद्ध के मुहाने पर खड़े थे। दुनिया घटना को क्यूबा संकट के नाम से जानती है। आज जब रूसी परमाणु पनडुब्बी कजान अमेरिका के दरवाजे पर मौजूद क्यूबा में पहुंची, तब दुनिया को फिर से उस संकट की याद आ गई है। रूस के युद्धक जहाज फ्रिगेट एडमिरल गोर्शकोव के नेतृत्व में रूसी युद्धक जहाजों का बेड़ा युद्धाभ्यास के लिए क्यूबा के बंदरगाह पर पहुंचा है, जो यहां 5 दिनों तक रहेगा। इसमें रूस की परमाणु पनडुब्बी कजान भी शामिल है।

रुसी मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूसी परमाणु पनडुब्बी कजान गाइडेड मिसाइल से लैस है। बेड़े की अगुवाई कर रहे एडमिरल गोर्शकोव को रूस के सबसे आधनिक युद्धपोत में गिना जाता है। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, गोर्शकोव कैलिबर मिसाइल के साथ ही नवीनतन हाइपरसोनिक मिसाइल जिरकान से भी लैस है। कजान और गोर्शकोव के अलावा रूसी बेड़े में फ्लीट ऑयल टैंकर पाशिन और टग निकोले चिकर भी शामिल है।

हालांकि, क्यूबा के अधिकारियों ने साफ किया है, परमाणु पनडुब्बी कजान सहित बेड़े के जहाज पर परमाणु हथियार नहीं हैं। क्यूबा के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि किसी भी जहाज पर परमाणु हथियार नहीं है, इसलिए इनके देश में रुकने से क्षेत्र को कोई खतरा नहीं है। इन दावों के बावजूद रूसी जहाजों का अमेरिकी जलक्षेत्र से महज कुछ किमी की दूरी से गुजरना महत्वपूर्ण है। खासतौर पर जब पुतिन ने धमकी दी है कि वे अपने शक्तिशाली हथियारों को उन देशों और क्षेत्रों में तैनात करुंगा, जहां से पश्चिमी देशों को निशाना बनाया जा सके।

क्या है क्यूबा मिसाइल संकट?

क्यूबा मिसाइल संकट शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और तत्कालीन सोवियत यूनियन के बीच एक बड़ा टकराव था, जिसने दुनिया को परमाणु युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया था। यह संकट 1962 में शुरू हुआ था, जो एक महीने से ज्यादा समय तक चला था। तब सोवियत संघ ने इटली और तुर्की में अमेरिकी मिसाइल की तैनाती के जवाब में परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल क्यूबा में तैनात कर दी थी। जिससे अमेरिका के ऊपर बड़ा खतरा ला दिया था। अगर इन मिसाइलों को क्यूबा से लांच किया जाता तब कुछ ही मिनटों में अमेरिका के अधिकांश हिस्से को निशाना बना सकती थीं। दिलचस्प बात ये है कि आज जिस यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस और अमेरिका टकराव के रास्ते पर हैं, वह उस समय सोवियत संघ का हिस्सा हुआ करता था।

रियासी में टेरर अटैक के बाद......20 संदिग्ध हिरासत में

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जम्मू के रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकवादियों के हमला करने के बाद अब अमरनाथ यात्रा पर खतरा मंडराने लगा है। बाबा बफानी के दर्शन के लिए 29 जून से शुरु होने वाली यात्रा 19 अगस्त तक चलेगी। यह देखकर जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूरे राज्य के लिए सिक्योरिटी रिव्यू भी किया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस-किस पॉइंट पर कितना खतरा है और वहां किस स्तर की सिक्योरिटी की जरूरत है। रियासी बस अटैक मामले में पुलिस ने 20 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

शक है कि आतंकवादियों की मदद के लिए कोई ना कोई स्थानीय शख्स भी हमले में शामिल था, जो बैक हैंड से आतंकवादियों को सपोर्ट कर रहा था। इस मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त जवानों की 11 टीमें जंगलों और पहाड़ों में फरार आतंकियों की तलाश कर रही हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले में अभी तक कोई आतंकी गिरफ्तार नहीं है। हां, 20 संदिग्ध लोगों से पूछताछ जरूर की जा रही है। मामले में बस के पीछे चल रही एक ईको कार के लापता होने और एक जीप के पीछे चलने की बात सामने आई थी।

वायनाड छोड़ूं या रायबरेली, धर्मसंकट है - राहुल गांधी

लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार केरल पहुंचे

मोदी की तरह भगवान से गाइडेंस नहीं मिला, मेरे लिए जनता ही भगवान है

तिरुवनंतपुरम(ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद बुधवार को पहली बार केरल पहुंच। मलप्पुरम में जनसभा के दौरान राहुल ने कहा कि वायनाड सीट छोड़ूं या रायबरेली, यह मेरे लिए धर्मसकंट है। मोदी की तरह मुझे भगवान से गाइडेंस नहीं मिल रहा है। मैं साधारण मनुष्य हूं। वायनाड या रायबरेली का फैसला मुझे खुद ही करना होगा। मेरे लिए देश की गरीब जनता ही मेरी भगवान है। मैं जनता से बात करूंगा और फैसला लूंगा।

राहुल ने कहा कि केरल और उत्तर प्रदेश के लोगों ने पीएम मोदी को बताया है कि संविधान हमारी आवाज है और वे इसको छू नहीं सकते हैं। देश की जनता ने पीएम को बताया कि वे तानाशाही नहीं कर सकते हैं। चुनाव से पहले भाजपा के नेता कहते थे कि वो संविधान को फाड़ देंगे। अब चुनाव के बाद मोदी संविधान को सिर से लगाते हैं। मोदी वाराणसी में मुश्किल से जीत पाए हैं। भाजपा अयोध्या में भी हार गई है। नफरत को मुहब्बत ने हरा दिया है।

अडाणी के कहने पर काम करते हैं मोदी

राहुल ने कहा कि मोदी ने कहा था कि वो बायोलॉजिकल नहीं हैं। उन्हें परमात्मा ने भेजा है। मोदी जी के परमात्मा अडाणी-अंबानी के लिए फैसला लेते हैं। मोदी के परमात्मा कहते है कि मोदी जी बॉम्बे एयरपोर्ट अडानी को दे दीजिए, तो वो दे देते हैं। फिर कहते हैं कि लखनऊ एयरपोर्ट दे दीजिए तो मोदी दे देते हैं। फिर पावर प्लांट अडाणी-अंबानी के नाम कर दिए जाते हैं। इसके बाद पीएम मोदी अडाणी कि मदद के लिए अग्निवीर योजना बनाई।

मोदी-शाह संविधान बदलना चाहते हैं

कांग्रेस के सांसद ने कहा कि देश के हर राज्य में अलग-अलग भाषाएं हैं। हर राज्य के ट्रेडिशन सिर्फ संविधान की वजह से सुरक्षित है। अगर संविधान चले जाए तो कल कोई केरल आएगा और बोलेगा कि आप मलयालम बोले। यह चुनाव संविधान के लिए था। एक तरफ लाखों लोग कह रहे थे कि हम अपना ट्रेडिशन वापस चाहते हैं। हम अपने कल्चर में विश्वास रखते हैं। हम खुद अपना भविष्य का फैसला कर लेंगे। वहीं, दूसरी ओर पीएम मोदी और अमित शाह थे, जो चाहते थे कि केरल के लोग हिंदी बोले।

मोदी-शाह तानाशाही नहीं कर सकेंगे

राहुल ने कहा कि मोदी-शाह को लगा कि सिर्फ ईडी- सीबाई उनके पास है तो वे तानाशाही कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश और केरल के लोगों ने उन्हें बताया कि वो लोग तानाशाही नहीं कर सकते हैं। इस चुनाव में नफरत और हिंसा को मुहब्बत ने हरा दिया है। अहंकार को मानवता ने हरा दिया है।

हम विपक्ष की भूमिका निभाते रहेंगे

सांसद राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली में जो सरकार बनी है वह अपंग सरकार है। विपक्ष ने भाजपा को गहरी चोट पहुंचाई है। मोदी जी का एटीटयूड भी बदल गया है। विपक्ष का कर्तव्य हम निभाते रहेंगे। हम गरीबों की बात संसद में उठाते रहेंगे। मोदी ने कहा था कि 400 पार होगा। फिर बोला की 300 पार होगा। लेकिन 300 पार भी नहीं हो पाए।

जन हितैषी

युवा सपनों में नहीं, परिणाम के साथ जीना चाहते हैं

पिछले 10 साल में युवाओं को बहुत सारे सपने दिखाए गए। पर अफसोस कि ये सपने साकार नहीं हो सके। पिछले वर्षों में सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म्स पर युवा और समाज के सभी वर्गों द्वारा जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है। अपनी लड़ाई को वह स्वयं लड़ने के लिए जो मंच तलाश रहे थे, सोशल मीडिया के रूप में उन्हें मिल गया है। सोशल मीडिया ने समाज के सभी वर्गों को एक नई चेतना से जोड़ दिया है। जहां वह अपनी बात कहकर सकारात्मक परिणाम के लिए रुचि रख रहे हैं। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर विशेष रूप से युवा जिस आक्रामक और वैचारिक ढंग से अपनी बात रख रहे हैं। एक नई सामाजिक वैचारिक क्रांति को आगे बढ़ा रहे हैं। युवाओं के पास सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म के माध्यम से जो शक्ति आई है। उसको एक नई पहचान मिल रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार, कॉरपोरेट, नौकरशाही, अपराधियों और अपराधों को नियंत्रित करने में भी सोशल मीडिया की अहम भूमिका हो गई है। सोशल मीडिया में डिजिटल प्रिंट, वीडियो एवं वॉइस कम्युनिकेशन के माध्यम से नई सामाजिक और वैचारिक क्रांति का असर दिखने लगा है। हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे में जिस तरह से 17 वर्ष के नाबालिग बेटे को महंगी कार उपहार में देने, लाइसेंस न होने के बाद भी गाड़ी चलाने देने, शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए दो युवकों को गाड़ी से कुचल देने के अपराध की लड़ाई संगठित रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से लड़ी गई। अपराध का पर्दाफाश किया गया। अपराधी को बचाने के जो प्रयास किए जा रहे थे। सोशल मीडिया की लड़ाई में अपराधी नाबालिग युवक के साथ-साथ उसके माता-पिता और साक्ष्यों को मिटाने के लिए डॉक्टरों द्वारा जिस तरह का अपराध किया जा रहा था। वह सब सोशल मीडिया के माध्यम के दबाव बनाने के बाद उजागर हुआ है। शासन और प्रशासन को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। राजनीतिक व्यवस्था, ब्यूरोक्रेसी के ऊपर जिस तरह का दबाव सोशल मीडिया के माध्यम से बनाया गया, वह सोशल मीडिया और युवाओं की शक्ति को पहचानने का पर्याप्त कारण बना। जिस तरह से सोशल मीडिया में सबूतों से छेड़छाड़, जालसाजी, अपहरण, धमकी, रिश्वत, परिवारवाद, न्यायपालिका, पुलिस, मेडिकल सेवाओं में जो गिरावट आई है। उसको लेकर जिस तरह की चेतना और लड़ाई सोशल मीडिया में देखने को मिल रही है। वह अपने आप में अनूठी है। विचारों की विविधता भी अब सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर देखने को मिलती है। हर विषय के पक्ष और विपक्ष में लोग अपनी बात तर्क संगत ढंग से रख पा रहे हैं। इसको देखते हुए यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं में न्याय और अधिकार की नई संस्कृति के साथ अधिकारों और कर्तव्यों का बोध हुआ। सही और गलत की पहचान आसान हो गई है। युवाओं को अब ज्यादा समय तक भ्रमित करके नहीं रखा जा सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही का लोकसभा चुनाव है। जिसके परिणाम सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। एक तरह से सोशल मीडिया की चुनौती राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक चैनलों को मिली। जो सामाजिक सरोकारों से दूर होता जा रहा था। उसका स्थान सोशल मीडिया ने ले लिया। सामाजिक परिपक्वता, व्यक्तिगत अधिकार और कर्तव्यों के साथ भी जोड़ने के लिए मुफीद और सर्व सुलभ माध्यम सोशल मीडिया बन गया है। सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव का असर भी समाज पर पड़ रहा है। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया के एडिक्शन से पीड़ित होकर निष्क्रिय भी हो रही है वहीं सोशल मीडिया में तथ्यों की प्रमाणिकता को लेकर सदैव संदेह देखने को मिलता है, लेकिन जिस तरीके से सोशल मीडिया में विश्वसनीय और प्रामाणिकता के साथ जो बातें सामने आ रही हैं। उसके साथ सोशल मीडिया में भी विश्वसनीयता के साथ जानकारी उपलब्ध होना सुखद है।

विपक्ष हार कर भी जीत गई

-18 वीं लोक सभा चुनाव में विपक्ष कर्ण की तरह लड़ी।विश्व के सबसें बड़े लोकतंत्र भारत ने एक पुनः साबित कर भारत ही सचमुच में प्रजातंत्र की जननी है। 18वें लोक सभा चुनाव जो कि विषम परिस्थितियों में सबसे लम्बी अविधि चलने के समाप्त हो चुकी है।इस लोक सभा के साधारण चुनाव के परिणाम नें यह एक बार पुनः साबित कर प्रजातंत्र में जनता ही जनार्दन है जनता जनार्दन ने विपक्षी दलों को अपना समर्थन दिया है।भले ही विपक्ष जीता न हो लेकिन उसने भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी का घमंड जरूर तोड़ दिया है।जिसका सबसे बड़ा प्रमाण मोदी की गारंटी व तुष्ट्रीकरण वाली एजेडें का नकारते हुए भाजपा को करारा जबाव दिया है।यही कारण भाजपा बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गई है।सता के लोभ में अपनी नीति को ताख पर रखते हुए गठबन्धन करते हुए अपने घुटने टेक दिए।वे जिस नेहरू को पानी पी पी कर दस साल गाली देते रहे उन्हीं के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए लगातार तीसरी बार शपथ जरूर लेने जा रहे हैं लेकिन सरकार चलाने के लिए उन्हें चन्द्र बाबु नायडू और नीतीश कुमार सता सिंघासन पर आशीन होने के गठबन्धन करना पड़ा है वही विपक्ष चुनावी समर क्षेत्र महा भारत के कर्ण की तरह लोक सभा चुनाव लड़ी है।जैसा कि सर्वविदित सन 2024 का चुनावी महाभारत समाप्त हो गया है।इस बार चुनावी समर क्षेत्र को देखने के बाद मुझे महाभारत का एक प्रसंग याद आ रहा है।जब अर्जुन और कर्ण के बीच धर्म युद्ध हो रहा था। कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन जब वाण चलाते थे तो बाणों के वेग से कर्ण का रथ मीलों पीछे चला जाता था,लेकिन जब कर्ण वाण चलाता था तो अर्जुन का रथ महज तीन कदम पीछे जाता था। इसके बाबूजूद अर्जुन के सारथी बने स्वयं भगवान कृष्ण के मुंह से निकल पड़ता था-वाह कर्ण वाह.... अर्जुन को कृष्ण के मुंह से कर्ण की तारीफ सुनकर अच्छा नहीं लगता था।वे दुखी हो रहे थे। आखिर में ऊर्जून नेअपनी नाराजगी जताते हुए श्री कृष्ण से पूछा- हे वासुदेव मैं जब तीर चलाता हूं तो कर्ण का रथ मीलों पीछे चला जाता है और वह जब वाण चलाता है तो मेरा रथ सिर्फ तीन कदम पीछे हटता है। फिर भी आप मेरी बजाय कर्ण की तारीफ करते हैं।तब कृष्ण ने अर्जुन को सच्चाई बताई। कृष्ण ने अर्जुन कहा कि वे स्वयं उनके रथ पर तीनों लोकों का भार लेकर बैठे हैं।इसके अलावा रथ पर फहरा रही पताका पर हनुमान जी रोम-रोम में पहाड़ बांधकर सवार थे।इतना वजन होने के बावजूद कर्ण अपने बाणों से अर्जुन के रथ को तीन कदम पीछे ढकेल देता था। *18 वीं लोक सभा चुनाव में विपक्ष कर्ण की तरह लड़ी।विश्व के सबसें बड़े लोकतंत्र भारत ने एक पुनः साबित कर भारत ही सचमुच में प्रजातंत्र की जननी है*

मुझे भी इस लोक सभा चुनाव में भी वही सब देखने को मिला। एक तरफ स्वयं भीष्म पितामह की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके चाणक्य अमित शाह और योगी आदित्यनाथ तथा राजनाथ सिंह समेत भाजपा सासित प्रदेशों के मुख्य मंत्री उनके दर्जनों सहयोगी थे।10 वर्ष तक केंद्र सरकार-सरकारी तंत्र थे,दूसरी राहुल गांधी व थे व उसके सहयोगियों में अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव,स्टालिन आदि कम नामधारी क्षेत्रीय दलों के नेता थे आखिर में पश्चिमी बंगाल के योद्धा ममता बनर्जी नें इस लड़ाई में साथ नहीं ही आईं।वे विपक्ष के खेमे में जरूर थीं लेकिन उन्होंने अपना डेरा अलग से जमा रखा था।इसके अलावा मोदी जी के पास तमाम .संसाधन व सरकारी तंत्र थे।सता में रहने के कारण घन के देवता कुबेर का चुनावी चन्दा रूप बांड से उगाहे गए हजारों करोड़ रुपये,चुनाव आयोग और दूसरी सरकारी एजेंसियों, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग, गोदी मीडिया और सर्वे करनी वाली मायावी राक्षसी प्रवृत्ति वाली एजेंसियों की ताकत थी जो आखिरी समय तक विपक्षी नेताओं को परेशान करती रही। इसके बावजूद विपक्षी नेताओं ने मोदी जी के दांत खट्टे कर दिये। सम्पूर्ण देश में मोदी की गारंटी ,राम मन्दिर मंगल सुत्र हिन्दु खतरे में के सहारे 400 पार की गगन भेदी घोषणा करने वाले की टीम थी। भारतीय मतदाताओ नें मोदी जी के विजय रथ को 240 सीटो व सहयोगी दलों एन डी ए 290 में ही जबरदस्त ब्रेक लगा दिया है।बीजेपी को उन्होंने पूर्ण बहुमत नहीं पाने दिया। *18वें लोक सभा चुनाव जो कि विषम परिस्थितियों में सबसे लम्बी अविधि चलने के समाप्त हो चुकी है।इस लोक सभा के साधारण चुनाव के परिणाम नें यह एक बार पुनः साबित कर प्रजातंत्र में जनता ही जनार्दन है* नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री पद पाने के लिए गठबन्धन कर लिया। परिणाम स्वरूप राजनीति पंडितओं में चर्चा व चिन्तन का दौर शुरू हो गया है कि मोदी जी जो कल तक विश्वगुरु भारत को बना रहा था अच्छे दिन का राग अलाप रहे हिन्दु राष्ट्र बनाने का सपना देख रहे है।हमने राम को लाये है।राम को लाने वाले को जनता लायेगी। इसी बल पर अबकी बार 400 पार का गर्जना करते थक नही रहें थें - उन्हे केन्द्र में सता के सिंघासन पर आसीन होने के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के हाथ थाम कर वैसाखी लेने को मोदी मजबुर हो गई है।राजनीतिक पंडितओ के माने तो मोदी जी के 36 के आंकड़े न भी हों तो मधुर संबंध तो नहीं ही हैं।

इस चुनाव की सबसे खास और बीजेपी के लिए सबसे खतरनाक बात यह है कि भारत के उत्तर और पश्चिम उसके अभेद्य किले को विपक्ष ने भेद दिया है।कहीं ध्वस्त किया है तो कहीं बड़ा नुकसान पहुंचाया है ।दिल्ली की सता के द्वारा देश के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में उन्होंने बीजेपी को धूल चटा दी है।आप को बता दे कि पिछले लोक सभा चुनाव में 62 सीट जीतने वाली बीजेपी को इस बार 33 सीटों पर समेट दिया है। राजस्थान मे बराबरी से मुकाबला किया है।जहां पिछले चुनाव में बीजेपी ने सभी 25 सीटें जीती थीं वहीं इस बार 11 सीटें कांग्रेस ने उससे छीन ली हैं।महाराष्ट्र में तो यूपी जैसा ही धमाका किया है।वहां की 48 में से करीब 30 सीटों पर कब्जा जमा लिया है।बिहार में भी कोई बड़ी सफलता तो नहीं हासिल कर पाया ।विपक्ष लेकिन पहले जहां एनडीए ने 40 में से 39 सीटें हासिल की थीं वहीं इस बार उसे 31 पर ही रोक दिया है। सबसे पुराना किला गुजरात में भी इस चुनाव मेंगोला दागकर एक सूराख बना दिया है जो राज्य में बीजेपी की कमजोरी का चिन्ह बन गया है।दक्षिण भारत में बीजेपी का बहुत कुछ पहले भी नहीं था।नॉर्थ ईस्ट में भी उसे इस बार झटका लगा है। पिछली बार वहां की 25 में से 23 सीटें एनडीए ने जीती थीं जो कि इस बार 16 पर ही सिमट गईं। बीजेपी के लिए एक राज्य ओडिशा वरदान साबित हुआ है। सही मायने में यही बीजेपी का फायदा है।वहां इसकी पहली बार सरकार तो बन ही रही है,वहां की लोक सभा की भी लगभग सारी सीटें ही उसने जीत ली हैं।अगर ओडिशा ने बीजेपी का इस कदर साथ न दिया होता तो मोदी जी इस बार सत्ता से ही बाहर हो जाते।

मोदी के अंधभक्त इस बात से भी खुश हो सकते हैं कि चाहे जैसे भी हो तीसरी बार मोदी जी के प्रधानमंत्री सपथ ग्रहण हो गया है,लेकिन बीजेपी के शुभचिंतक इस बात को जरूर समझ गये होंगे कि मोदी का जादुई मैजिक करिश्मा धुमिल हो गया है। अंध भक्त मोदी सरकार के सपथ ग्रहण समारोह को लेकर काफी उत्साहित है क्योंकि उनके नेता जवाहर लाल नेहरू के तीन बार प्रधान मंत्री बनने का श्रेणी खड़े हो रहें है। लेकिन उनकी खुशी कब तक रहेगी मोदी का चेहरा अब तक अकेले निर्णय लिया करते थे लेकिन गठबन्धन की सरकार में उन्हे अपने सहयोगी दलो के संग निर्णय लेना होगा। भारतीय राजनीति में गठबन्धन सरकार अनुभव - नरसिम्हा राव का कार्यकाल को छोड़ दे सुःखद नही है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि - क्या मोदी की नेतृत्व में एन डी ए व गठबन्धन सरकार कितने दिनो तक चल पायेगी ।मोदी जी क्या पहले की तरह बड़े फैसले ले पायेंगे क्या । वही कुछ दिनों में महाराष्ट्र , हरियाणा व अगले वर्ष दिल्ली , विहार झारखण्ड में विधान सभा के चुनाव होने वाले है। उस समय ही एन डी ए व गठबन्ध की सरकार की अग्नि परीक्षा होगी। अभी से मोदी सरकार का भविष्य क्या होगा - कुछ कहना अतिश्रुति होगी । हमें व आप को इंतजार करना ही उचित होगा । फिलहाल आप से यह कहते हुए विदा लेते है-ना ही काहुँ से दोस्ती,ना ही काहुँ से बैर। खबरीलाल तो माँगे,सबकी खैर? फिर मिलेगें तिरक्षी नजर से तीखी खबर के संग तब तक के लिए ! (लेखक- विनोद तकियावाला / ईएमएस)

खेल - समाचार

टी20 विश्व कप में आज होगा बांग्लादेश और नीदरलैंड में मुकाबला ,रात 8 बजे से होगा मुकाबला

किंगसटाउन (ईएमएस)। टी20 विश्व कप में गुरुवार को बांग्लादेश और नीदरलैंड के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीम बड़ी जीत दर्ज कर सुपर आठ के लिए अपनी संभावनाएं बनाए रखने उतरेंगी। ग्रुप डी में बांग्लादेश की टीम अभी दूसरे स्थान पर है। इसके साथ ही उसके और डच टीम नीदरलैंड के बराबर दो दो अंक हैं पर बांग्लादेश की टीम बेहतर नेट रन रेट के आधार पर अभी दूसरे स्थान पर है। वहीं नेपाल और श्रीलंका के एक-एक अंक हैं पर उनके पास भी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर सुपर 8 में जगह बनाने का अवसर है। बांग्लादेश ने अपने पहले मैच में श्रीलंका को दो विकेट से हराया था पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। नीदरलैंड की टीम भी पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार गई थी और उसे भी सुपर आठ की दौड़ में बने रहने ये मैच किसी भी हालत में जीतना होगा। इस मैच में बांग्लादेश डच टीम को हल्के में लेने की गलती नहीं करेगी क्योंकि वह उलटफेर में सक्षम है।

स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में ऐसे खेलें कि इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर हो जाये : पेन

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर टिम पेन ने कहा है कि उनकी टीम को स्कॉटलैंड के खिलाफ अंतिम ग्रुप मुकाबले में ऐसा प्रयास करना चाहिये कि इंग्लैंड टी20 विश्वकप से ही बाहर हो जाये। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही नामीबिया को हराकर सुपर आठ में पहुंच गयी है पर इंग्लैंड की टीम पर बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। पेन ने कहा कि उनका अर्थ ये नहीं है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम जानबूझकर मैच हारे पर जीत का अंतर इतना ही रहे कि इंग्लैंड बाहर हो जाए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि नेट रन रेट क्या होने चाहिये पर इंग्लैंड इस मामले में पीछे ही है। इसलिए उनकी टीम को मुकाबला हारना नहीं है पर मुकाबला करीबी होना चाहिये। केवल इतना होना चाहिये कि स्कॉटलैंड हमारे स्कोर के करीब आ सके।

गत चैंपियन इंग्लैंड बारिश के कारण एक मैच रद्द होने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी हार के बाद सुपर आठ से बाहर होने की कगार पर है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही सुपर आठ में पहुंच गयी है। । पेन ने कहा, 'मैं परिणा को लेकर जो बात कह रहा हू वह मजाक नहीं है। मैंने पिछले कुछ दिनों में लोगों से इस बारे में बात की है। मैं पूरी तरह गंभीर हूं। ग्रुप बी की वर्तमान स्थिति के अनुसार इंग्लैंड सिर्फ एक अंक और माइनस 1.800 के नेट रन रेट के साथ चौथे स्थान पर है। उसके दो और मैच बचे हैं। भले ही वह अपने दोनों मैच जीत लें पर अंकों के मामले में स्कॉटलैंड से आगे नहीं निकल सकता क्योंकि स्कॉटलैंड के जो पांच अंक और प्लस 2.164 का नेट रन रेट है।

इंग्लैंड को सुपर आठ में पहुंचने के लिए अब अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे और इसके साथ ही उम्मीद करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया स्कॉटलैंड को बड़े अंतर से हराये जिससे स्कॉटलैंड का रन नेट नीचे आ जाये।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि स्कॉटलैंड के नेट रन रेट तक पहुंचने के लिए इंग्लैंड को अपने दोनों मैच लगभग 50 रन से जीतने होंगे। इसलिए यह निश्चित रूप से संभव है कि आप मैच जीत सकते हैं पर फिर भी प्रयास करें इंग्लैंड बाहर हो जाये। पेन के अनुसार ये फायदेमंद रहेगा। पेन ने कहा, 'यह सिर्फ इसलिए नहीं है क्योंकि यह इंग्लैंड है। आप इस टूर्नामेंटों में विश्व कप जीतने के इरादे से उतरते हैं। निश्चित रूप से बाद के दौर में कौन अपके लिए खतरा बन सकता है ये ध्यान में रखना चाहिये।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने माना कि इंग्लैंड के बाहर होने से उन्हें फायदा होगा। हेजलवुड ने नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद कहा, 'हां, मुझे ऐसा लगता है। इस टूर्नामेंट में आप संभावित रूप से किसी चरण में फिर से इंग्लैंड के खिलाफ खेल सकते हैं।

टी20 विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया को हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया

नॉर्थ साउंड (ईएमएस)। लेग स्पिनर एडम जंपा की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्वकप क्रिकेट के ग्रुप बी में नामीबिया को आठ विकेट से हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में नामीबिया को 17 ओवर में 72 रन पर समेटने के बाद जीत के लिए मिले आसान से लक्ष्य को केवल 34 गेंदों पर एक विकेट पर 74 रन बनाकर हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 34 और कप्तान मिचेल मार्श ने 18 रन बनाये। वहीं डेविड वार्नर ने आठ गेंद पर 20 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे उसने एक मैच शेष रहते हुए ही सुपर आठ में जगह बना ली है। वहीं नामीबिया की यह तीन मैच में दूसरी हार है जिससे वह सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गया है।

वहीं स्कॉटलैंड और इंग्लैंड ग्रुप बी से दूसरे स्थान की दौड़ में बने हुए हैं। नामीबिया की टीम ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी। उसकी ओर से कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने सबसे अधिक 36 रन बनाए जिससे नामीबिया 43 रन पर आठ विकेट खोने के बाद मुश्किल से 50 रन के ऊपर पहुंच पायी। नामीबिया का ये टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम स्कोर है। जंपा ने बीच के ओवरों में घातक गेंदबाजी कर चार ओवर में 12 रन देकर चार विकेट लिए।

जंपा ने इसी के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी हासिल कर ली है। वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। वहीं जोश हेज़लवुड ने नामीबिया के सलामी बल्लेबाज माइकल वैन लिंगेन (10) और निको डेविन (02) को आउट किया। वहीं मार्कस स्टोइनिस ने तीन ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिए जबकि कप्तान पैट कमिंस और नाथन एलिस ने एक-एक विकेट लिया।

कतर ने भारत को 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हराया

दोहा (ईएमएस)। भारतीय फुटबॉल टीम को कतर के खिलाफ 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हार का सामना करना पड़ा है, इससे उसका विश्वकप खेलने का सपना भी टूट गया। भारतीय टीम को इस अंतिम ग्रुप ए मैच में कतर के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में भारत की ओर से लालियानजुआला चांग्ते ने पहला गोल किया। इसके बाद यूसुफ अयमेन के एक विवादास्पद गोल और अहमद अल-रावी के एक गोल से कतर ने मुकाबला जीता लिया। इस विवादास्पद गोल को लेकर खिलाड़ी और प्रशंसक नाराज दिखे। कतर की जीत के साथ ही अफगानिस्तान को वाली कुवैत इस ग्रुप से अगले दौर में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है। इस गोल के दौरान गेंद गोल पोस्ट के बाहर दिख रही थी पर मैदानी रेफरी ने कतर के पक्ष में गोल दे दिया। वीआरएस न होने के कारण टीम इंडिया रिव्यू भी नहीं ले पाई।

वीडियो देखने से पता चलता है कि भारतीय टीम के कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने फ्री किक को रोक लिया था। गेंद उनकी दोनों टांगों के बीच से निकलकर मैदान से बाहर हो गई थी लेकिन जैसे ही गोलकीपर नीचे आए, फुटबॉल उनके दाएं पैर से टकराने के बाद मैदान पर वापस आ गई। गेंद को सामने देखकर कतर के खिलाड़ी ने इसे गोल पोस्ट में डाल दिया। भारतीय गोलकीपर इस बात से निराश थे कि मैदानी रेफरी ने गेंद को बाहर जाने के बावजूद आऊट नहीं दिया।

रिजवान टी20 में 30 वां अर्धशतक लगाकर रोहित की बराबरी पर आय

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने कनाडा के खिलाफ यहां हुए टी20 विश्वकप मुकाबले में अर्धशतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इस मुकाबले में पाक ने कनाडा को सात विकेट से हराया। रिजवान ने इस मैच में 53 गेंदों पर 53 रन बनाए और पारी की शुरुआत करते हुए अपना 30वां अर्धशतक भी पूरा किया। इसी के साथ ही रिजवान ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के सलामी बल्लेबाजी के तौर पर 30वां अर्धशतक के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली। इस मैच में कनाडा की टीम ने पहले खेलते हुए एरोन जोनसन के 52 रनों की सहायता से 106 रन बनाये। वहीं पाक की ओर से मोहम्मद आमिर और हारिस रऊफ ने 2-2 जबकिशाहीन अफरीदी और नसीम शाह ने 1-1 विकेट लिया। रिजवान ने मुश्किल पिच पर 53 गेंदों पर 53 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। रिजवान का यह टी20 में 30वां अर्धशतक था। इसके साथ ही उन्होंने रोहित के 30 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। रिजवान ने यह उपलब्धि 71 पारी जबकि रोहित ने 118 पारी में हासिल की थी। वहीं इस मामले में दसरे नंबर पर बाबर आजम हैं। बाबर ने अब तक 28 अर्धशतक 84 पारियों में लगाये हैं।'

सफल भी एवं सक्षम भी होगी मोदी की तीसरी पारी

एक और इतिहास रचते हुए नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए। यह देश ही नहीं दुनिया के लिए एक अद्भुत एवं विलक्षण राजनीतिक घटना है, क्योंकि दुनिया में बहुत कम शासनाध्यक्षों को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। मोदी के इस तीसरे कार्यकाल पर देश-दुनिया की नजरें इसलिये भी टिकी हैं कि मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा पिछली गठबंधन सरकारों से अलग होकर भी सशक्त है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को लेकर काम करने वाली इस सरकार में 71 मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के साथ शपथ ली। मोदी के करिश्माई नेतृत्व में पिछले दस साल में देश को विकास के कहीं ज्यादा ऊंचे मुकाम पर खड़े करते हुए दुनिया को चौंकाया है। 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। जीडीपी के आकार के हिसाब से हमने पिछले साल ब्रिटेन को पीछे छोड़ा और 2026 तक जापान तो 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। इन लक्ष्यों की ओर तेजी से कदम बढ़ाना नई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसक साथ ही सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास इस सरकार का ध्येय है।

प्रधानमंत्री मोदी इस बार गठबंधन सरकार का नेतृत्व करते हुए एक नया इतिहास बनायेंगे, उम्मीद की जा रही है कि बिना बाधा एवं गठबंधन की शर्तों के वे देश-विकास के अपने एजेंडे को सफलतापूर्वक एक नई ऊंचाई देंगे। उनकी लोकसभा चुनाव-2024 की उपलब्धि की महत्ता इसलिये भी कम नहीं हो जाती, क्योंकि भाजपा बहुमत से कुछ ही दूर है। चूंकि सहयोगी दल मोदी सरकार को सहयोग और समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और मंत्रियों का चयन सुगम तरीके से हो गया इसलिए यह आशा की जाती है कि मोदी की तीसरी पारी भी सुगमता एवं त्वरित गति से चलेगी। इसका एक कारण यह भी है कि उनके पास व्यापक राजनीतिक अनुभव है और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता तथा समन्वय की राजनीति करने का कौशल भी। गठबंधन दलों को भी समन्वय एवं सौहार्द का वातावरण बनाना होगा, इसी में उनका राजनीतिक हित है। वे विपक्षी दलों के बहकावे में न आये, वरना यहां मोदी एवं शाह के पास अन्य विकल्प हैं जो मोदी सरकार को संकट में नहीं जाने देंगे। मोदी की राजनीतिक यात्रा को देखा जाए तो उन्होंने अनेक ऐसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है जिनकी कल्पना नहीं की जाती थी-पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में।

मोदी के सामने चुनौतियां पूर्ण बहुमत के दौर में भी रही है और अब भी कायम है। इस राह पर दो बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनकी अनदेखी करते हुए आगे बढ़ना मुमकिन नहीं है। ये हैं बेरोजगारी और असमानता। इंटरनैशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट के मुताबिक देश में 80 प्रतिशत बेरोजगार युवा हैं। गरीब मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य भी सामने हैं। पूर्व के दौ कार्यकाल में मोदी ने इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। जहां तक असमानता की बात है तो उसे अक्सर तेज विकास के आगे ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती, लेकिन याद रखने की बात है कि तेज विकास को अगर टिकाऊ बनाना हो तो असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसी मौलिक सोच एवं दृष्टि से मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि मोदी की तीसरी पारी में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। वन नेशन, वन इलेक्शन और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर राजनीतिक मजबूरी की विशेष छाप देखने को मिल सकती है। लेकिन मोदी की कोशिश रहेगी कि वे अपने इन मुद्दों को भी आकार दे सके। इनमें कुछ विलम्ब हो सकता है, लेकिन ये और ऐसे अनेक मुद्दे मोदी की प्राथमिकता बने रहेंगे।

पिछले दस वर्षो का मोदी का कार्यकाल यह बताता है कि जहां उन्होंने देश विकास की एक अमिट गाथा लिखी, वहीं वे देश में सबसे सशक्त और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे और विश्व पटल पर अपनी एक गहरी छाप छोड़ते हुए भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। इससे विश्व में भारत का मान बढ़ा और इसे उनके विरोधी भी स्वीकार करते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने न केवल साहसिक फैसले लिए, बल्कि विकास और जनकल्याण के ऐसे कार्य किए जिसने देश की तस्वीर बदली, भारत का विकास हुआ। अब वह विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। चूंकि गठबंधन सरकार के बावजूद कमान प्रधानमंत्री के हाथ में है और उन्होंने यह कहा है कि वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस एजेंडे के प्रति सहयोगी दलों और विशेष रूप से टीडीपी और जेडीयू ने भी अपनी संकल्पबद्धता जताई है इसलिए मोदी की प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी पारी निरंतरता, साहसिकता, दृढ़ता का परिचायक ही होगी। राजनीति की लंबी पारी ने मोदी को दृढ़ता के साथ ही लचीलेपन का भी पाठ पढ़ाया है। कोई कारण नहीं कि राजनीतिक विरोधियों को साथ लेने में दिखाया गया लचीलापन सहयोगियों को बनाए रखने में काम नहीं आएगा। दूसरी बात यह कि चाहे चंद्रबाबू नायडू हों या नीतीश कुमार, दोनों विकास की राजनीति का चेहरा रहे हैं।

मंत्रिमण्डल का गठन करते हुए ऐसा नजर नहीं आया कि भाजपा गठबंधन सहयोगियों के किसी तरह के दबाव में हो। पिछली सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय संभालने वाले भाजपा के सांसद वरिष्ठता क्रम में शपथ लेते नजर आए। मंत्रिमंडल के गठन में गठबंधन के हितों के साथ ही जातीय संतुलन और महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया। हरियाणा में भले भी पांच सांसद इस बार चुने गए हों, लेकिन इस साल राज्य में विधानसभा चुनाव को देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को कैबिनेट व राव इंद्रजीत सिंह तथा कृष्णपाल सिंह को राज्यमंत्री बनाया गया। वहीं पंजाब से कोई भाजपा सांसद नहीं चुना गया लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। झारखंड में इस साल चुनाव होने हैं तो राज्य को तीन मंत्री दिये गए हैं। मोदी का मंत्रिमण्डल देश विकास के साथ राजनीतिक अपेक्षाओं के अनुरूप प्रभावी एवं सशक्त एक तीर से अनेक निशाने साधते हुए दिखा।

निश्चित रूप से भाजपा अपने सहयोगी दलों के प्रति उदार एवं समन्वयमूलक रवैये अपनाएगी। राजग की कोशिश है कि गठबंधन को मजबूत करके इस बार सशक्त होकर उभरे विपक्ष का मुकाबला किया जा सके। इतना तय है कि कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन अग्निपथ, समान नागरिक संहिता, बेरोजगारी व महंगाई जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजग सरकार के लिये कड़ी चुनौती पेश करेगा, लेकिन सहयोगी दलों के साथ भाजपा उनका मुकाबला करने के लिये तैयार है। एक सवाल यह भी है कि क्या नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली राजग सरकार सहयोगी दलों की आकांक्षाओं के बीच पिछले दो कार्यकाल की गति से काम कर पाएगी? निश्चित ही मोदी उसी अंदाज एवं दबंगता से अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ायेंगे। मोदी के विजन में जहां 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होगा, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर होगा। मोदी के नये संकल्पों एवं योजनाओं से देश विकास की दशा एवं दिशा स्पष्ट होगी। आदिवासी समुदाय एवं अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से मोदी सरकार मील का पत्थर साबित होगी। साथ-ही-साथ समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। सशक्त होती अर्थव्यवस्था इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाली साबित होगी, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत-सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक सरकार के विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

अंतरात्मा के बाद भटकती आत्मा का श्राप

सनातन परम्परा में आत्मा और परमात्मा के साथ ही सात जन्मों की मान्यता है। भारत में रहने वाले ज्यादातर सनातनी आत्मा और परमात्मा में विश्वास रखते हैं। कारण श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि -

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः । न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः। अर्थात इस आत्मा को शस्त्र काट नहीं सकते हैं और अग्नि इसे जला नहीं सकती है ''जल इसे गीला नहीं कर सकता है और वायु इसे सुखा नहीं सकती है । आत्मा के बारे में ये ज्ञान हमारे देश में पढ़े-लिखों के साथ ही अनपढ़ों को भी है लेकिन राजनेताओं को नहीं है। इसीलिए वे आत्माओं का अपमान करने से नहीं चूकते। आम चुनावों के दौरान देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र दामोदर दस मोदी ने देश के सबसे बुजुर्ग नेता एनसीपी के अध्यक्ष श्री शरद पंवार को भटकती आत्मा कहकर उनका मन ही नहीं बल्कि उनकी आत्मा को भी दुखाया।

शरद पंवार हालाँकि देश के प्रधानमंत्री नहीं बन पाए लेकिन उनकी सियासी यात्रा के सामने माननीय मोदी जी अबोध शिशु जैसे ही हैं। उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि वे जिस पंवार को भटकती आत्मा कह रहे हैं वही भटकती आत्मा एक दिन उन्हें न सिर्फ श्राप देगी बल्कि चुनौती भी देगी। पंवार ने सोमवार को अहमदनगर में अपनी पार्टी की रजत जयंती के मौके पर आयोजित रैली में मोदी जी को इंगित करते हुए कहा कि- ये भटकती आत्मा उन्हें डमोदी जी को हमेशा परेशान करती रहेगी । शरद जी मानते हैं कि आत्मा अजर-अमर होती है। आपको बता दूँ कि शरद पवार की पार्टी ने 10 सीटों पर चुनाव लड़कर आठ सीटें जीती हैं। अपने भाषण के दौरान पवार ने मोदी पर तीखा हमला बोला तथा कहा कि -अब उनके पास लोगों का समर्थन नहीं है। पंवार ने कहा, क्या उनके पास देश का जनादेश है? चुनाव परिणाम स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि मोदी के पास बहुमत नहीं है और उन्होंने टीडीपी और जेडीयू का समर्थन लेकर सरकार बनाई है।

चुनावों में आप अक्सर आत्मा और अंतरात्मा की बातें सुनते आये है। श्रीमती इंदिरा गाँधी ने एक बार राष्ट्रपति चुनाव में अन्तरात्मा का आव्हान किया था। तब से राजनीति में अंतरात्मा , आत्मा और भटकती आत्मा चलन में आ गयीं। हकीकत तो ये है कि आज की राजनीति में नेताओं के पास आत्मा और अंतरात्मा जैसी कोई चीज बची नहीं है। उनका महात्मा होना तो असम्भव है। ,किन्तु आत्मा अजर-अमर होती है इसलिए जिस्म के भीतर किसी न किसी कोने में ज़िंदा रहती है । जब मौक़ा मिलता है तो चौका मारती है। हमारी नानी जी कहतीं थीं कि आत्मा भले ही अजर-अमर है लेकिन है तो ज़िंदा,इसलिए कभी खुश होती है,कभी कलपती है। कभी मौन हो जाती है। इसलिए दुनिया में किसी की आत्मा को दुखाना नहीं चाहिए। लेकिन राजनीति में जब तक आप प्रतिद्वंदी की आत्मा को दुखा नहीं लेते आपको सुख नहीं मिलता।

आत्मा सूक्ष्म है ,नजर नहीं आती । जो आत्मा , परमात्मा से सम्पर्क स्थापित कर लेती है उसे महात्मा कहते है। कम से कम मोहन दास करमचंद गाँधी को तो इस देश में महात्मा कहा और माना जाता है। ये बात और है कि इस महात्मा को भी इस देश के राष्ट्रभक्तों ने गोलियों से छलनी कर दिया। उन्हें लगा होगा कि गांधी महात्मा से पिंड छूटा लेकिन हकीकत में ऐसा हुआ नहीं। हत्यारों के वारिसों को भी संविधान की शपथ लेने के बाद महात्मा गाँधी की समाधि पर सर झुकाना ही पड़ता है। महात्मा के आगे दुरात्माएं हों या साधारण आत्माएं अपने आप नतमस्तक हो जातीं हैं। उनके बारे में ये भ्रम फैलाया जाता है कि उन्हें रिचर्ड एटनबरो कि फिल्म बनने के बाद ही दुनिया ने पहचाना।

महात्मा गाँधी की आत्मा को मारने वालों के वंशजों ने माननीय शरद पंवार साहब की आत्मा को गोलियों से तो छलनी नहीं किया किन्तु शब्दभेदी वाण ऐसे चलाये कि उनकी आत्मा विदीर्ण हो गयी। घायल मनुष्य हो , आत्मा हो , अंतरात्मा हो महात्मा हो या परमात्मा हो ,आह तो भरता है। पंवार साहब इसका प्रमाण हैं। उन्होंने अंततः महामना मोदी जी को कह ही दिया कि उनकी भटकती आत्मा भविष्य में भी उनका पीछ नहीं छोड़ने वाली। मोदी जी के लिए ये शुभ संकेत नहीं है। क्योंकि मोदी जी अपने तीसरे कार्यकाल में अपने पहले और दुसरे कार्यकाल के मुकाबले क्षीण हैं ,उन्हें जेडीयू और टीडीपी की बैशाखियों का सहारा लेना पड़ा है। उन्हें सहारा देने वालों में शरद पंवार के भतीजे अजित पंवार भी हैं लेकिन उनकी क्या औकात महाराष्ट्र कि सियासत में है ये उनके ही चाचा यानि शरद पंवार की भटकती आत्मा ने बता दिया है।

आत्मा को लेकर विभिन्न धर्मों में मतान्तर तो हैं किन्तु सब मानते हैं कि आत्माएं होती है। वे कभी-कभी भटक भी जाती है। अतृप्त भी रह जातीं है। इस्लाम वाले आत्मा को रूह कहते हैं। मुसलमानों कि पवित्र पुस्तक कुरआन कहती है कि -अल्लाह उनकी मृत्यु के समय आत्माओं को ले जाता है, और जो नहीं मरते उनकी नींद के दौरान। फिर वह उन लोगों को रखता है जिनके लिए उसने मौत का फैसला किया है और दूसरों को एक निश्चित अवधि के लिए रिहा कर देता है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ हैं जो विचार करते हैं..डकुरान 39:42। जैनी आत्मा को जीव यानि चेतना कहते है। यहूदी तथा ईसाइयों के लिए आत्मा के अलग मायने हैं चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स सिखाता है कि आत्मा और शरीर मिलकर मनुष्य की आत्मा (मानव जाति) का निर्माण करते हैं। आत्मा और शरीर मनुष्य की आत्मा हैं।

मित्रो चूंकि मै एक साधारण व्यक्ति हूँ इसलिए आत्मा , परमात्मा और महात्मा के अलावा भटकती आत्माओं के बारे में उतना ही जानता हूँ जितना कि एक सामान्य आदमी जानता है। हमारे यहां बचपन से आत्मा-परमात्मा की बात होती रहती है । महात्माओं को तो हमने देखा भी है । कुछ भिक्षाटन करते हैं और कुछ मठों में बैठकर ऐश करते हैं। अब मनुष्यों की तरह आत्माओं की भी तो किस्मत होती ही होगी। यदि न होती तो एक चाय बेचने वाले का लड़का देश का प्रधानमंत्री कैसे होता और एक शाहजादा अपने परनाना,नानी और पिता के प्रधानमंत्री होने के बाद भी प्रधानमंत्री क्यों नहीं बन पाता ?

मेरे ख्याल से देश में आत्माओं और महात्माओं के मुकाबले भटकती आत्माओं की संख्या शायद ज्यादा है। हर दल में ,हर समाज में ,हर धर्म में ,हर जाति में ,हर सम्प्रदाय में भटकती आत्माएं मौजूद हैं। कुछ के बारे में कह दिया गया है और कुछ के बारे में नहीं। बेहतर हो कि देश की तमाम भटकती आत्माएं अपना एक अलग दल बनाकर अगला आम चुनाव लड़ें। आरएसएस प्रमुख डॉ मोहन भागवत के पास भी एक आत्मा है जो प्राय : सोती रहती है और जब जागती है तब तक बहुत देर हो जाती है । उनकी आत्मा ने साल भर से जल रहे मणिपुर की सुध अब ली है । उन्हें बड़े नेताओं का अहंकार अब दिखा है । सियासत में अदावत का भान अब हुआ है। वो भी तब ,जब उनकी अपनी संतान भाजपा ने साफ़ कह दिया की उसे संघ की जरूरत नहीं है। का बरसा जब कृषि सुखानी ?। डॉ भागवत शायद भूल गए की मूर्खों को उपदेश देने से उनका कोप शांत नहीं होता । मूर्खों को उपदेश देना जैसे नाग को दूध पिलाना है । कहते हैं कि नाग को दूध पिलाने से उसका विश और बढ़ता है।

बहरहाल मै माननीय शरद पंवार साहब की भटकती आत्मा के लिए और माननीय नरेंद्र मोदी जी की बहुरूपणी आत्मा के लिए सिर्फ प्रार्थना कर सकता हू। ईश्वर ड अगर कहीं है तो .मेरी प्रार्थना सुन ले और सभी तरह की आत्माओं को परमशान्ति प्रदान करे। ॐ शांति।(लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8036

बाएँ से दाएँ

1. चोगा,गाऊन-3
3. पायजामा,शलवार-4
6. भाग्य,लक-3
7. सूर्य,भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता,निम्नता-5
12. मैडल,पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक,लेस-2
22. विलंब,लेट-2
23. जाँच,निरीक्षण-3
24. श्मशान,शवदाहगृह-4
25. साफ,बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता,उदारता-5
3. पाठ,शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन,मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप,लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा,हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8035 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद ,सेंसेक्स 149 , निफ्टी भी 58 अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 149.98 अंक करीब 0.20 फीसदी ऊपर आकर 76,606.57 अंक पर बंद हुआ। इसमें आज 76,533.78 और 77,050.53 के बीच कारोबार हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,295.95 और 23,441.95 के बीच रहा। अंत में ये 58.10 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी बढ़कर 23,322.95 अंक पर बंद हुआ जबकि गत कारोबारी सत्र में बाजार सपाट बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी ऊपर आया। बीएसई सेंसेक्स 206 अंक उछलकर 76,663 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 0.34 फीसदी की बढ़त लेकी 23,344 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक, टीसीएस और पावरग्रिड के शेयर ऊपर आये जबकि भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी में बीपीसीएल, विप्रो और एलटीआई माइंडट्री के शेयर सबसे अधिक उछले जबकि एनटीपीसी, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और टाइटन के शेयर गिरे। वहीं मिडकैप सूचकांक 0.49 और स्मॉलकैप सूचकांक 0.62 फीसदी बढ़ा।

गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स में धीमी शुरुआत रही। गिफ्ट निफ्टी 50 फ्यूचर्स से 2 अंक अधिक 23,311 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया।

वहीं एशिया-प्रशांत के बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। अब निवेशकों की नजरें अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर आने वाले फैसले पर लगीं हैं। वहीं घरेलू बाजार में निवेशकों की नजरें मई माह के सीपीआई-आधारित महंगाई के आंकड़ों पर टिकी हैं। देश की मुद्रास्फीति दर में हल्की वृद्धि होकर 4.89 फीसदी रहने की उम्मीद है। यह अनुमान अप्रैल के 4.83 फीसदी की बढ़ोतरी से थोड़ा अधिक है। एशियाई बाजार में, जापान का निक्केई 225 0.79 फीसदी अधिक गिरा, जबकि व्यापक टॉपिक्स सूचकांक 0.63 फीसदी नीचे आया। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.35 फीसदी ऊपर रहा जबकि स्मॉल-कैप कोस्डेक इंडेक्स 0.37 फीसदी ऊपर आया।

अगले साल से आसान होगी चारधाम यात्रा....रेलवे का प्लान तैयार

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले साल से चारधाम की यात्रा आसान होगी। श्रद्धालुओं को बसों के थकाऊ सफर से राहत मिलेगी। भारतीय रेलवे ने इसका पूरा प्लान बना लिया है। इससे न केवल चारधाम के श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, बल्कि उत्तराखंड के तमाम शहरों की कनेक्टीविटी बढ़ेगी। यह रेल लाइन प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को दुबारा रेलमंत्री बनने से रेलवे लाइन का समय से पूरा होना तय माना जा रहा है।

भारतीय रेलवे के निदेशक इनफॉर्मेशन एंड पब्लिसिटी शिवाजी मारुति सुतार ने बताया कि कुल ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक 125 किमी लंबा है। इस लंबी रेल लाइन का काम अगले साल पूरा हो जाएगा। इस पूरे रूट पर 105 किमी. ट्रैक टनल पर है। 70 फीसदी से अधिक टनल का निर्माण हो चुका है। वहीं, श्रीनगर गढ़वाल, गोचर और कालेश्वर में रेलवे स्टेशनों को जोड़ने के लिए मोटर पुलों का निर्माण हो चुका है। यह प्रोजेक्ट देश सबसे अनूठा है, क्योंकि इसमें सबसे लंबी रेलवे टनल बन रही है, जिसकी लंबाई 14.58 किमी है। रेलवे के अनुसार ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक 125 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन में 105 किमी लाइन 16 मुख्य टनल से होकर गुजरेगी।

इन टनल के अलावा 12 निकास टनल और क्रास पैसेज भी हैं, जिन्हें मिलाकर टनल की कुल लंबाई 213 किलोमीटर है। इसमें से 160 किलोमीटर में खुदाई का काम पूरा हो चुका है। जल्द ही इन टनल में ट्रैक बिछाने का कार्य भी शुरू होगा। इस रेल लाइन के ट्रैक मेट्रो रेल जैसे बनाए जाएंगे।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन देहरादून, टिहरी, गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमौली जिलों से होकर गुजरेगी। रेल लाइन बनने से चार धाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। इसके अलावा स्थानीय लोगों को राज्य के दूरदराज के इलाकों में ट्रेन कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। इस तरह लोग सीधे कर्णप्रयाग तक ट्रेन से जा सकते है।

आंध्र प्रदेश की राजधानी बनेगी अमरावती, अलग-अलग बनाई जाएंगी नौ सिटी

-20 साल में 1.09 लाख करोड़ रुपए होंगे खर्च, लोगों को मिलेंगी सुविधाएं

नई दिल्ली,(ईएमएस)। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आंध्र प्रदेश की 175 विधानसभा सीटों में से एनडीए ने 164 सीटें जीती हैं। जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस 11 सीटें जीत पाई। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से एक दिन पहले नायडू ने एक बड़ी घोषणा की उन्होंने कहा आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती होगी।

टीडीपी के एक बार फिर सत्ता में आने के बाद अमरावती को नई राजधानी बनाने की कवायद तेज हो गई है। नायडू ने अपनी पिछली सरकार में अमरावती को राजधानी बनाने का प्रस्ताव रखा था। इस पर काम भी चल रहा था, लेकिन 2019 के विधानसभा चुनाव में टीडीपी की हार के बाद ये प्लान ठंडे बस्ते में चला गया। 2019 में जब जगन मोहन रेड्डी मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने तीन राजधानी-विशाखापट्टनम, अमरावती और कुर्नूल को बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसे लेकर बिल भी लाया गया था लेकिन हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। फिलहाल ये मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है।

2014 में आंध्र प्रदेश का बंटवारा हुआ और तेलंगाना नया राज्य बना। 10 साल तक हैदराबाद को ही तेलंगाना और आंध्र की राजधानी बनाया गया। 2 जून 2024 को 10 साल पूरे होने के बाद अब हैदराबाद सिर्फ तेलंगाना की ही राजधानी बन गई है।

दस साल पहले बंटवारे में तय हुआ था कि हैदराबाद ही तेलंगाना की राजधानी रहेगी, और आंध्र प्रदेश को नई राजधानी बनानी होगी।

2014 में सरकार में आने के बाद चंद्रबाबू नायडू ने अमरावती को राजधानी बना दिया। 22 अक्टूबर 2015 को पीएम नरेंद्र मोदी ने अमरावती में नई राजधानी की बुनियाद भी रख दी थी। इतना ही नहीं, नई राजधानी बनाने के लिए नायडू सरकार ने किसानों से 33 हजार एकड़ जमीन भी अधिग्रहित कर ली थी।

अमरावती मास्टर प्लान के मुताबिक 217 वर्ग किलोमीटर के दायरे में राजधानी को तैयार किया जाएगा। हर व्यक्ति की जरूरत का ख्याल रखते हुए एक वर्ल्ड क्लास सिटी की तरह बनाया जाएगा। कोर कैपिटल एरिया में सरकारी दफ्तर, सांस्कृतिक संस्थान और पब्लिस स्पेस बनाए जाएंगे।

राजधानी के सभी रिहायशी इलाके, कमर्शियल इलाके, शैक्षणिक संस्थान और बिजनेस हब सड़क और पब्लिक ट्रांसपोर्ट से कनेक्ट किए जाएंगे। मास्टर प्लान में बताया गया है कि 2050 तक अमरावती की आबादी 35 लाख से ज्यादा हो जाएगी। अमरावती को राजधानी बनाने से 15 लाख नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

अमरावती की राजधानी में 9 सिटी होगी, जिसमें गवर्नमेंट सिटी ये उत्तर-दक्षिण में बसेगी। यहां सरकारी दफ्तर होने के साथ-साथ रिहायशी इलाके भी होंगे ये पूरी सिटी 1,093 हेक्टेयर में बनाई जाएगी। गवर्नमेंट सिटी के बगल में ही जस्टिस सिटी बनाई जाएगी। यहां ज्यूडिशियरी से जुड़े संस्थान होंगे। जस्टिस सिटी 1,339 हेक्टेयर में बनेगी। वहीं फाइनेंस सिटी को आंध्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के मकसद से बनाया जाएगा। यहां कमर्शियल और रेसिडेंशियल, दोनों इलाके होंगे। फाइनेंस सिटी 2,091 हेक्टेयर में तैयार की जाएगी।

जस्टिस और फाइनेंस सिटी के दक्षिण में नॉलेज सिटी बसाई जाएगा। यहां यूनिवर्सिटी कैम्पस, कॉलेज और नॉलेज पार्क बनाए जाएंगे। नॉलेज सिटी 3,459 हेक्टेयर में बनेगी। साउथ इंडिया में आने वाली आईटी और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिटी बनाई जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक सिटी 2,663 हेक्टेयर में बनेगी।

अमरवती राजधानी के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके, इसके लिए अलग से हेल्थ सिटी बसाई जाएगी ये 2,647 हेक्टेयर में फैली होगी। रिवरफ्रंट के उत्तर-पश्चिम में स्पोर्ट्स सिटी बनेगी। यहां बड़े-बड़े स्टेडियम और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्पोर्ट्स इवेंट के लिए इवेंट वेन्यू बनाए जाएंगे। ये 1,679 हेक्टेयर में बनेगी। अनंतवरम के पास मीडिया और कल्चरल सिटी को बसाया जाएगा। अनंतवरम में ऐतिहासिक अनंतवरम वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर है। ये सिटी 2,067 हेक्टेयर में बनेगी। कृष्णा नदी के किनारे उंदावल्ली गुफाओं के पास टूरिज्म सिटी तैयार की जाएगी। ये 4,716 हेक्टेयर में तैयार होगी।

2015 में जब नायडू ने अमरावती को राजधानी बनाने का ऐलान किया था। 2016 में अमरावती में 9 थीम सिटी और 27 टाउनशिप बनाने की घोषणा की थी। 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक अमरावती को राजधानी बनाने में 20 साल में 1.09 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

सोने और चांदी की कीमतों में आया उछाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई। आज दोनो ही धातुओं की वायदा कीमतों में तेजी रही। कारोबार के दौरान सोने के वायदा भाव 71,600 रुपये वहीं चांदी के वायदा भाव 89,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों में उछाल रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीए क्स)पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनु बंध आज 33 रुपये बढ़कर 71,523 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 80 रुपये की तेजी के साथ 71,570 रुपये के स्तरपरकारोबारकर रहा था। ये 71 ,594 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,523 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर पहुंचा था।

वहीं चांदी की वायदा कीमतों की शुरूआत में आज बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 587 रुपये की तेजी के साथ 89,250 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 654 रुपये की तेजी के साथ 89,317 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 89,321 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 89,250 के भाव पर दिन निचला स्तर पर पहुंचा। पिछले माह चांदी की वायदा कीमतें 96,493 रुपये के भाव पर दिन के शीर्ष स्तर पर पहुंचीं।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों में आज तेजी रही रही। कॉमेक्स पर सोना 2,334 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,326.60 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.38 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 29.23 डॉलर था।

सियाम की मांग......इन दोपहिया वाहनों पर जीएसटी कम करे , कम-कार्बन उत्सर्जन पहल को मिलेगी मदद

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने भारी उद्योग मंत्रालय से कम-कार्बन उत्सर्जन वाले दोपहिया वाहनों पर वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) में कटौती की मांग की है। सियाम ने प्रस्ताव के लिए केंद्रीय मंत्रालय को पत्र लिखा है। सियाम की मांग में इंटर्नल कंबस्टन इंजन (आईसीआई) फ्लेक्स-फ्यूल टू व्हीलर्स, आईसीई कंपोज्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) टू व्हीलर, 350 से ज्यादा सीसी वाले दोपहिया वाहनों पर बिना किसी उपकर के 28 से घटाकर 18 फीसदी जीएसटी शामिल है। प्रस्ताव में कहा गया है कि सभी दोपहिया वाहनों के लिए जीएसटी बेस रेट को 18 फीसदी तक घटाया जाए।

अगर यह फैसला लागू किया जाता है, तब इससे बजाज ऑटो को फायदा होगा, जो बहुत जल्द एक सीएनजी-चालित इलेक्ट्रिक स्कूटर लांच करने वाला है। बजाज पहले से ही ई-स्कूटर में तीसरी सबसे बड़ी कंपनी हैं, जिसपर जीएसटी केवल 5 फीसदी है। सियाम ने भारत में दोपहिया वाहनों पर ज्यादा जीएसटी टैक्स को भी उजागर किया है, जो अन्य देशों की मुकाबले ज्यादा है। भारत में 28 फीसदी जीएसटी लगता है, जबकि ब्राजील में 9.25 फीसदी, वियतनाम में 10 फीसदी, थाईलैंड में 7 फीसदी और इंडोनेशिया में 11 फीसदी जीएसटी है।

सियाम ने मांग की कि भारत को सभी दोपहिया वाहनों पर जीएसटी को 28 से घटाकर 18 फीसदी करना चाहिए, जो इंडस्ट्री की एक लंबे समय से चली आ रही मांग है। एक प्रमुख दोपहिया कंपनी के अधिकारी का कहना है कि कम-कार्बन उत्सर्जन वाले दोपहिया वाहनों के लिए यह दुनिया का पहला कदम भारत को तेजी से एक ग्रीन और ज्यादा ईंधन-कुशल देश बनाने की दिशा में अग्रसर करेगा, जो किसी अन्य तरीके से संभव नहीं है। सीएनजी वाहन चलाने के लिए के लिए ऑपरेटिंग खर्च पेट्रोल उत्सर्जन के मुकाबले आधा होता है और इलेक्ट्रिक वाहन स्तरों के करीब होता है। इसमें इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों से जुड़ी सुरक्षा, रेंज, चार्जिंग और बैटरी से जुड़ी चिंताएं भी नहीं होती हैं।

हिट एंड रन नहीं बहू ने ही कराई अपने ससुर की हत्या, जुर्म कुबूला

-करोड़ों की संपत्ति की लालच में रची साजिश, 05 आरोपी गिरफ्तार

नागपुर,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में हिट एंड रन मामले में बहुत ही चौकाने वाला खुलासा हुआ है। इस मामले की जांच कर रही नागपुर पुलिस ने बताया हत्या में शामिल मृतक पुरुषोत्तम पुत्तेवार की बहू और पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि हत्या की इस साजिश की मास्टरमाइंड मृतक की बहू ही है और उसने करीब 300 करोड़ रुपए की संपत्ति के लालच में हत्या की साजिश रची थी। दरअसल 22 मई 2024 को नागपुर के अजनी इलाके में हिट एंड रन का एक चौकाने वाला मामला आया था। इस घटना में दो कार सवारों ने पुरुषोत्तम पुत्तेवार को अपनी कार से उड़ा दिया था। घटना में 72 साल के पुरुषोत्तम पुत्तेवार की मौके पर ही मौत हो गई थी। पहले यह मामला हिट एंड रन का लग रहा था, लेकिन जब नागपुर पुलिस ने तह तक जाकर जांच की तो इसे कई सुराग मिले, उससे पुलिस भी हैरान रह गई।

पुलिस की जांच में यह मामला हिट एंड रन का नहीं, बल्कि इरादातन हत्या करने की एक बड़ी साजिश का निकला। इसकी मास्टरमाइंड कोई और नहीं, बल्कि मृतक की बहू अर्चना पुत्तेवार है। पुलिस को मुखबिरों से जानकारी मिली थी कि मृतक पुरुषोत्तम पुत्तेवार की 300 करोड़ की संपत्ति को हासिल करने उनकी बहू अर्चना ने अपने घरेलू ड्राइवर को अपने पक्ष में किया और फिर उसकी मदद से साजिश रची। इसके लिए ड्राइवर के जरिये दो लोगों को एक करोड़ रुपए और बार का लाइसेंस दिलाने का लालच देकर हत्या करने की सुपारी दी थी।

साजिश के तहत 22 मई को आरोपी नीरज निम्जे और सचिन धार्मिक ने तेज रफ्तार कार से पुरुषोत्तम पुत्तेवार को उड़ा दिया। इसको जिस कार से अंजाम दिया गया था, वह कुछ ही दिन पहले खरीदी गई थी। कार खरीदने और आरोपियों को हत्या के बदले लाखों रुपए बहू अर्चना ने ही दिए थे। जांच में यह भी सामने आया है कि अर्चना की इस साजिश में उसका भाई प्रशांत और उसकी पीए पायल भी शामिल थी। उन्हें भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि घरेलू ड्राइवर सार्थक बागड़े फरार है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी अर्चना पुत्तेवार सरकारी कर्मचारी है और वर्तमान में गढ़चिरौली में पोस्टेड थी। अर्चना ने पूछताछ में कबूला है कि पूरी साजिश उसने ही रची थी। हत्या में इस्तेमाल की गई सेकंड हैंड कार को खरीदने और कार से उड़ाने वाले आरोपियों को उसने लाखों रुपए दिए थे। पुलिस को शक है कि इस मामले में कुछ और लोग भी शामिल हो सकते हैं, उनकी भी तलाश की जा रही है।

नाव के डूबने से 49 लोगों की मौत और 140 लापता

लंदन (ईएमएस)। अफ्रीका से यमन जा रहे शरणार्थियों और प्रवासियों को ले जा रही नाव के डूबने से 49 लोगों की मौत हुई और 140 लापता हो गए। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) का हवाला देकर रिपोर्ट दी।

रिपोर्ट में बताया कि हॉर्न ऑफ अफ्रीका और पूर्वी अफ्रीका से आए शरणार्थियों और प्रवासियों को यमन के रास्ते सऊदी अरब और क्षेत्र के अन्य अरब देशों तक पहुंचने के लिए खतरनाक यात्रा का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले अप्रैल में यमन पहुंचने की कोशिश कर रहे जिबूती के तट पर दो जहाज़ों के डूबने से 62 लोगों की मौत हो गई थी। इस रूट पर कम से कम 1,860 लोग मारे गए या लापता हो गए, जिनमें 480 डूब गए। रिपोर्ट के अनुसार, यमन में लगभग एक दशक से चल रहे युद्ध के विनाशकारी प्रभावों के बावजूद अधिक शरणार्थी और प्रवासी इस रूट से जा रहे हैं।

अभेद्य होगी अयोध्या की सुरक्षा...

तैनात किए जाएंगे ब्लैक कैट कमांडो, एनएसजी यूनिट की होगी स्थापना

अयोध्या(ईएमएस)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के बाद जिले की सुरक्षा व्यवस्था को अब और चुस्त किया जा रहा है। केंद्र सरकार अब यहां एनएसजी कमांडो यूनिट बनाने की तैयारी में है जिसके लिए भूमि खोजी जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से निर्णय पर मुहर लगने के बाद एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडो यहां तैनात होंगे।

जिले में अब तक केंद्रीय सुरक्षा की दो व राज्य सरकार की चार सुरक्षा एजेंसियां तैनात हैं। किसी भी वीवीआईपी दौरे पर एनएसजी कमांडो दिल्ली से बुलाए जाते हैं। राम मंदिर निर्माण के बाद जिले में अक्सर वीवीआईपी दौरा होता रहता है साथ ही हर समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। समय-समय पर अयोध्या आतंकियों के निशाने पर भी रही है, जिसे देखते हुए अब यहां की सुरक्षा को और चुस्त किया जा रहा है। इसके लिए भविष्य में एनएसजी कमांडो की यूनिट यहां स्थापित करने की तैयारी है।

सूत्रों के अनुसार एनएसजी की टीम ने जिला प्रशासन से संपर्क करके भूमि चिन्हित करके उपलब्ध कराने के लिए कहा है। जिस पर तेजी से काम हो रहा है। वहीं, पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि अयोध्या में एनएसजी यूनिट खुलने की सूचना तो है, लेकिन पूरी जानकारी उन्हें नहीं है।

भारत दुनिया में सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा

वर्ल्ड बैंक ने कहा-तीन साल में 6.7 फीसदी की विकास दर से आगे बढ़ेगा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि भारत अगले तीन साल में 6.7 फीसदी की विकास दर से आगे बढ़ेगा। मजबूत घरेलू मांग, निवेश में उछाल और सर्विसेज सेक्टर के चलते भारत दुनिया में सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

एक रिपोर्ट में वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में भारत के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को 6.6 फीसदी पर रखा है। इसने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा। हालांकि इसके विस्तार की गति थोड़ी धीमी रह सकती है। वित्त वर्ष 2023-24 में अच्छी विकास दर के बाद, वित्त वर्ष 2024-25 से अगले तीन वित्तीय वर्षों के लिए औसतन 6.7 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है। वित्त वर्ष 2026 और 2027 के लिए वर्ल्ड बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के क्रमशः 6.7 फीसदी और 6.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि उत्पादन में सुधार और मुद्रास्फीति में गिरावट से निजी खपत की बढ़ोतरी को लाभ मिल सकता है। चालू व्यय को कम करने के सरकार के लक्ष्य के खपत धीमी रह सकती है।

इससे पहले आईएमएफ ने 2024-25 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया था। आरबीआई ने पिछले हफ्ते चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी विकास पूर्वानुमान को 7 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी 7.3 फीसदी, दूसरी तिमाही में 7.2 फीसदी, तीसरी तिमाही में 7.3 फीसदी और अंतिम तिमाही में 7.2 फीसदी रहने की संभावना है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 फीसदी की जीडीपी बढ़ोतरी दर्ज की है, जबकि 2023-24 के लिए विकास दर 8.2 फीसदी है। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 7 फीसदी थी।

ट्रक झोपड़ी पर पलटा, 8 लोगों की मौत

हरदोई(ईएमएस)। हरदोई में बालू से भरा ट्रक झोपड़ी पर पलट गया। घर के बाहर सो रहे एक ही परिवार के 8 लोगों की मौके पर मौत हो गई। अब परिवार में सिर्फ एक बच्ची बची है। मरने वालों में पति-पत्नी, 4 बच्चे, दामाद और नातिन शामिल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हादसा शहर से 50 किलोमीटर दूर कानपुर हाईवे पर बुधवार रात 1.30 बजे मल्लावां चुंगी के पास हुआ। मरने वालों की पहचान अवधेश (45), उनकी पत्नी सुधा (42), 3 बच्चे- सुनैना (11), लल्ला (5), बुद्ध (4), और दामाद करन (25), उनकी पत्नी हीरो (22) और बेटी कोमल (5) के रूप में हुई।

इंडोनेशिया और तंजानिया से आयात कम करने मोदी सरकार ने उठाए कदम

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार ने रत्नों से जड़े हुए कुछ खास तरह के सोने के आभूषणों के आयात पर प्रतिबंध लगाया है। इस फैसले का उद्देश्य इंडोनेशिया और तंजानिया से आयात को कम करना है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के अनुसार, भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मुक्त शुल्क समझौते के तहत इन सोने के आभूषणों के आयात की अनुमति अभी भी रहेगी। वैध शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के तहत बिना प्राधिकरण के इन वस्तुओं के आयात की अनुमति होगी।

डीजीएफटी की अधिसूचना में कहा गया है कि मोती, कुछ हीरे और अन्य कीमती और मध्यम कीमती रत्नों से जड़े सोने के आभूषणों के लिए आयात नीति में संशोधन किया गया है। नीति की स्थिति तत्काल प्रभाव से मुक्त से प्रतिबंधित में बदल गई है। इस श्रेणी के तहत ज्वैलरी के आयात के लिए सरकारी अनुमति या लाइसेंस की आवश्यकता होती है। एक उद्योग विशेषज्ञ ने इंडोनेशिया और तंजानिया से इन वस्तुओं के आयात में वृद्धि का उल्लेख किया। भारत का इंडोनेशिया के साथ मुक्त व्यापार समझौता है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मजबूत घरेलू मांग के कारण वित्त वर्ष 2023-24 में सोने का आयात 30 प्रतिशत बढ़कर 45.54 अरब डॉलर रहा। पिछले वित्त वर्ष में सोने का आयात 35 अरब डॉलर था। हालांकि, इस साल मार्च में कीमती धातु का आयात 53.56 प्रतिशत घटकर 1.53 अरब डॉलर रह गया। भारत के लिए सोने के आयात का सबसे बड़ा स्त्रोत स्विटजरलैंड है, जिसकी हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। इसके बाद यूएई की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है।

चीन द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने भारत के साथ करेगा काम!

तीसरी बार पीएम बनने से मोदी की बढ़ी ताकत, चीन ने जताई इच्छा

बीजिंग,(ईएमएस)। भारत के लगातार तीसरी बार पीएम बनने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की ताकत और बढ़ गई है। अब उनके खौस से पड़ोसी देशों में हलचल है। अब भारत के पड़ोसी देश दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे हैं। वहीं अब चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने पीएम नरेन्द्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने का इच्छुक है।

एक रिपोर्ट के अनुसार ली ने कहा कि चीन-भारत संबंधों का सुदृढ़ और स्थिर विकास न केवल दोनों देशों के लोगों के हित में है बल्कि यह क्षेत्र और दुनिया में स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा के संचार में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने 5 जून को आम चुनावों में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की जीत पर पीएम मोदी को बधाई दी और कहा कि दोनों देशों को चार साल पहले गलवान की घटना के बाद से रुके हुए द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर ट्रैक पर आगे बढ़ाने के लिए भविष्य की तरफ देखना चाहिए। बता दें 5 मई, 2020 को पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध शुरू होने के बाद से दोनों देशों के बीच व्यापार को छोड़कर बांकी आपसी संबंध खराब हो गए थे। इसके बाद गलवान के पास पैंगोंग क्षेत्र में हिंसक झड़प हुई थी।

चीन ने कहा कि एक स्वस्थ और स्थिर रिश्ते दोनों देशों के हित में है और इस क्षेत्र और उससे आगे की शांति और विकास के लिए अनुकूल है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों देशों और लोगों के मौलिक हितों में काम करने, हमारे संबंधों के समग्र हित को ध्यान में रखने, भविष्य की तरफ देखने और द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर राह पर आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है।

हालांकि एक दिन बाद चीन ने पीएम मोदी की इस टिप्पणी पर विरोध जताया कि भारत, ताइवान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए तत्पर हैं। मोदी की यह टिप्पणी ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते द्वारा उनकी चुनावी जीत पर दिए गए बधाई संदेश के जवाब में आई थी। चीन ताइवान को एक विद्रोही प्रांत मानता है जिसे बलपूर्वक हासिल करना चाहता है। भारत पीपुल्स लिबरेशन आर्मी पर देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों से हटने का दबाव बना रहा है, और कहता रहा है कि जब तक सीमाओं की स्थिति असामान्य बनी रहेगी, तब तक चीन के साथ उसके संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो सकती है।

पीएम मोदी को बधाई नहीं, जिनपिंग की खिंचाई...अब दी सफाई,सोशल मीडिया पर यूजर्स ने खूब ली मौज

बीजिंग (ईएमएस)। नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार भारतीय प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली है। लगातार तीसरी बार पीएम बनने पर नरेंद्र मोदी को दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्षों ने बधाई दी है। वहीं पड़ोसी राष्ट्र चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चुप्पी साधे रखी। जिनपिंग की ओर से मोदी को बधाई नहीं दिए जाने की चीन और भारत में ही नहीं कई देशों की मीडिया में चर्चा हुई। इस घटना को दोनों देशों के तनावपूर्ण रिश्तों को और खराब करने की तरह से देखा गया। आलोचना होने पर चीन की ओर से सफाई दी गई कि जिनपिंग चीन के राष्ट्रपति हैं और नरेंद्र मोदी ने पीएम पद की शपथ ली है। इसके बाद उनके चीनी समकक्ष ली कियांग ली ने मोदी को बधाई दी है।

चीन की ओर से सफाई आने के बाद जिनपिंग और ज्यादा घिर गए। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उनके बयानों के स्क्रीनशॉट वायरल कर दिए, जिसमें उनकी ओर से बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना और पाक पीएम शहबाज शरीफ को शपथ लेने पर बधाई दी थी। सोशल यूजर्स ने सवाल किया कि क्या पीएम के पीएम को बधाई देने का नियम सिर्फ भारत के लिए ही है। कुछ महीने पहले तक जिनपिंग दूसरे पड़ोसी देशों के प्रधानमत्रियों को बधाई दे रहे थे।

इसके बाद राष्ट्रपति जिनपिंग के मोदी को बधाई ना देने के मामले को ठंडा करने के लिए अब चीनी दूतावास ने बयान जारी किया है। भारत में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने बयान में कहा है कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसी देश हैं। इसके बाद बॉर्डर विवाद सहित सभी प्रासंगिक मुद्दों को ठीक से संभाला जाना चाहिए। भारत चीन के मजबूत और स्थिर संबंध सिर्फ दोनों देशों के ही नहीं पूरे क्षेत्र में शांति और विकास के लिए जरूरी हैं। चीन पड़ोसियों से अच्छे रिश्ते चाहता है और द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने को इच्छुक है।

पारा 44 के पार........हज तीर्थयात्रियों को गर्मी से बचाने की तैयारी;भारतीय कर सकते हैं हाई-स्पीड ट्रेन से यात्रा

रियाद (ईएमएस)। हज के लिए दुनियाभर से करीब 20 लाख मुसलमान सऊदी अरब पहुंचे हैं। सऊदी ने बड़े पैमाने पर हज के लिए तैयारी की है। इसके बाद भी कई तरह की मुश्किलें आ रही हैं। इसमें भीषण गर्मी से लेकर हज परमिट जैसे कई मामले हैं। यह देखकर सऊदी अरब ने हाजियों के लिए गाइडलाइन जारी की है। सऊदी के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार हज के दौरान सऊदी अरब में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इस साल हज की शुरुआत 14 जून 2024 से होगी। इस दौरान मक्का और मदीना में तापमान सामान्य से 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने वाला है। यह देखकर सऊदी अधिकारियों ने गर्मी को लेकर चेतावनी जारी की है।

गर्मी के कारण तीर्थयात्रियों में हीटस्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मामले बढ़ जाते हैं। पिछले साल भी हज के दौरान हजारों तीर्थयात्रियों को गर्मी से संबंधित बीमारियों का सामना करना पड़ा था, यह देखकर सऊदी अधिकारी जोखिम को कम करने के लिए कदम उठा रहे हैं। सऊदी सरकार ने तीर्थयात्रियों, खासकर बुजुर्गों को सहज रखने के लिए वातानुकूलित टेंट की सुविधा दी है। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य अधिकारी हाइड्रेटेड रहने, धूप से बचने वाले कपड़े पहनने और जब भी संभव हो छाया में रहने के महत्व पर जोर दे रहे हैं।

सऊदी अधिकारियों की ने इस साल हज पर आए तीर्थयात्रियों के लिए जो सलाह जारी है। इसमें कहा गया है कि बिना प्यास के भी दिन भर खूब पानी पिएं, खुद को धूप से बचाएं, हल्के, हवादार कपड़े और टोपी पहनें, जब भी संभव हो छायादार जगहों पर आराम करें, दिन के समय ज्यादा देर धूप में ना रहें, हीटस्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के लक्षणों के प्रति सचेत रहें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। इसके अलावा सऊदी अरब में भारतीय हज यात्री मक्का तक हाई-स्पीड ट्रेन से भी जा सकते है। इस साल पवित्र हज यात्रा पर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों को सुगम और तेज यात्रा का लाभ मिलेगा। हाजी अब जेद्दा हवाई अड्डे पर उतरकर मक्का तक हाई-स्पीड ट्रेनों में यात्रा कर सकते है।

दुनिया के सबसे छोटे विवाहित जोड़े.....ने बनाया ये रिकॉर्ड

ब्राजील (ईएमएस)। दुनिया के सबसे छोटे विवाहित जोड़े ने अपनी लंबाई के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी प्रेम कहानी से हैरान हैं। ब्राजील के 31 वर्षीय पाउलो गेब्रियल दा सिल्वा बैरोस और 28 वर्षीय कैटयुसिया ली होशिनो, पहली बार 2006 में ऑनलाइन मिले थे और कई साल खुशी-खुशी प्यार में बिताए हैं। अब वे रिकॉर्ड बनने के बाद से शादी करने वाले सबसे छोटे जोड़े हैं।

उन्होंने कहा, हम भले ही छोटे हों, लेकिन हमारे दिल बड़े हैं, एक-दूसरे के साथ-साथ अपने जीवन में सभी के लिए बहुत प्यार करते हैं। इस जोड़े की कुल लंबाई 181.41 सेमी है, जिसमें पाउलो की लंबाई 90.28 सेमी और कैटयुसिया की 91.13 सेमी है। लेकिन पुरस्कार विजेताओं के बारे में हाल ही में इंस्टाग्राम पोस्ट ने इन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया है। एक यूजर ने लिखा, प्यार जीतता है। एक दूसरे यूजर ने पोस्ट किया, बहुत बढ़िया, आप दोनों को बधाई! पाउलो और कैटयुसिया ने 17 सितंबर, 2016 को शादी की और रिकॉर्ड मिलने के बाद से वे सात साल तक सुर्खियों में रहे। पहली बार सम्मान मिलने के बाद यह जोड़ी यूटयूब वीडियो में भी दिखाई दी।

चीन की वेनिस नाम की परियोजना पूरी तरह से फ्लॉप,'तैरता हुआ शहर' एक बेजान और सूखी सी जगह बनकर रह गया

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के वेनिस नाम की यह परियोजना पूरी तरह से फ्लॉप साबित हुई क्योंकि इसके अधिकांश हिस्से निर्जन और बेजान से लगते हैं। चीन के उत्तर-पूर्वी लियाओनिंग प्रांत के बंदरगाह शहर डालियान के पास छोटा सा वेनिस बनाने का मकसद यूरोपीय शैली की वास्तुकला और संस्कृति को शामिल करना था, जहां चीनी नागरिकों को इटली का आनंद लेने के लिए दूर की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी।

इसे बनने में चार साल लगे लेकिन उम्मीद के खिलाफ भीड़ को आकर्षित करने और प्रदूषण को कम करने में सक्षम होने के बजाय, 'तैरता हुआ शहर' एक बेजान और सूखी सी जगह बनकर रह गया है। यहां उम्मीद के मुताबिक उतनी भीड़ दिखाई नहीं देती है। आधी-अधूरी इमारतों और विरल सड़कों से, पूर्वी-एशियाई देश के वेनिस के प्रयास के नए फुटेज देख कर ऐसा लगता है कि यह पर्यटकों के लिए एक आकर्षक स्थान नहीं है। पस्टिक्स एंड ट्रेन्स के तहत पोस्ट करने वाले एक ट्रैवल ब्लॉगर ने ''लिटिल वेनिस'' पहुंचने पर अपने 'हैरान' होने की बात स्वीकार की। डालियान में असामान्य साइट से आकर्षित होने के बावजूद, यह नयापन जल्दी ही फीका पड़ गया लगता है। ब्लागर का कहना है कि यह वास्तव में मृत है। यह उजाड़ है। सब कुछ बंद है। बहुत सारी इमारतें हैं। हर जगह इस तरह इमारतें मिल जाएंगी, लेकिन ऐसा लगता है कि वास्तव में कुछ भी उपयोग नहीं किया जा रहा है। इस आकर्षण को पहली बार 2015 में जनता के लिए खोला गया था और इसमें चार किलोमीटर की मानव निर्मित नहर है।

ऐसा कहा जाता है कि डेवलपर्स को भारी यातायात प्रवाह के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने की उम्मीद थी। लेकिन यह कई जगह पर सूखी भी है। वहीं कुछ इलाके, जिनमें एक चर्च भी शामिल है, वाकई हैरान भी करते हैं। बता दें कि कम लोग जानते हैं कि चीन अपने ही देश में दुनिया की कुछ खास टूरिस्ट प्लेस की नकल बना रहा है जिससे उसका टूरिज्म बढ़ सके। इसी वजह से वहां 507 मिलियन पाउंड यानी, 53 अरब 82 करोड़ 73 लाख रुपयों का 'नकली' इटली पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनने के लिए बनाया गया था। अब बताया जाता है कि यह 'सड़ते हुए भूतहा शहर' में तब्दील हो गया है।

गुजरात में हीट स्ट्रोक के ३२ फीसदी केस अहमदाबाद में

अहमदाबाद के बाद दूसरे स्थान पर सूरत शहर है, जहां दस दिनों में ९० मामले हीट रिलेटेड मामलों के सामने आए हैं

अहमदाबाद, १२ जून।

गुजरात इमरजेंसी १०८ एम्बुलेंस सेवा में दर्ज आंकड़ों के आधार पर देखा जाए तो गुजरात में पिछले १० दिनों में ७९९ हीट रिलेटेड (गर्मी संबंधी) केस सामने आए थे। गुजरात में पिछले कुछ दिनों से उमसभरी गर्मी के चलते गर्मी संबंधी (हीट रिलेटेड) बीमारियों ने लोगों को गिरफ्त में लिया है। अहमदाबाद में गर्मी का ज्यादा असर हुआ है। पिछले १० दिनों में हीट स्ट्रोक के सामने आए मरीजों में से ३२ फीसदी से अधिक अहमदाबाद के हैं। गर्मी संबंधित कुल मामलों में भी यह हिस्सेदारी २८ फीसदी की है।

गुजरात इमरजेंसी १०८ एम्बुलेंस सेवा में दर्ज आंकड़ों के आधार पर देखा जाए तो गुजरात में पिछले १० दिनों में ७९९ हीट रिलेटेड (गर्मी संबंधी) केस सामने आए थे। इनमें से २२६ अकेले अहमदाबाद शहर के हैं। गत एक जून को अहमदाबाद शहर में २२, दो जून को २७, तीन जून को २२, चार जून को २५, पांच जून को २९, छह जून को २०, सात जून को १८, आठ जून को २१, नौ जून को २४ तथा १० जून को १८ गर्मी संबंधी इमरजेंसी दर्ज हुई थीं। साथ ही हीट स्ट्रोक की बात करें तो १० दिनों में गुजरात में कुल ३७ मामले सामने आए। इनमें से १२ अहमदाबाद शहर के हैं ,जो ३२ फीसदी से अधिक हैं।

हीट स्ट्रोक के इन जगहों पर सामने आए ३७ केस

अहमदाबाद- १२
पोरबंदर-६
सूरत-३
महिसागर-३
भावनगर-२
जूनागढ़-२
साबरकांठा-२
अमरेली-१
आणंद-१
भागवनगर-१
खेड़ा-१
तापी-१
वडोदरा-१
वलसाड-१

शज्य में गर्मी संबंधी मामलों में अहमदाबाद के बाद दूसरे स्थान पर सूरत शहर है, जहां दस दिनों में ९० मामले हीट रिलेटेड मामलों के सामने आए हैं। वडोदरा में दस दिनों में ४० मामले दर्ज हुए हैं। इसके अलावा वलसाड में ३९, जूनागढ़ में २४, नवसाड़ी में २४, शजकोट में २२, कच्छ में २१, पोरबंदर में २१, जामनगर में १९, गांधीनगर में १८, भावनगर में १८, दाहोद में १८ मामले दर्ज हुए। आणंद में १७, अमरेली में १६, तापी १६, तापी १६, डांग १५, खेड़ा में १४, छोटा उदेपुर १४, महिसागर १२, सुरेंद्रनगर १२, अरवल्ली में १२, मेहसाणा ११, बनासकांठा ११, देवभूमि द्वारका नौ, गिरसोमनाथ नौ, नर्मदा नौ, पाटण नौ, साबरकांठा आठ, भरुच आठ, पंचमहाल आठ, मोरबी चार तथा बोटाद जिले में दो मामले सामने आए हैं।

गुजरात में मानसून की विधिवत दस्तक, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस) मंगलवार को गुजरात में मानसून का विधिवत आगमन हो गया है। समय से चार दिन पहले मानसून ने गुजरात में दस्तक दी है। मानसून के आगमन के बाद मौसम विभाग ने गुजरात के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। स्थानीय मौसम विभाग के मुताबिक अगले सात दिनों के दौरान राज्य के कई जिलों में गरज के साथ हल्के से मध्यम बारिश हो सकती है। आज राज्य के कई जिलों में बिजली कौंधने के साथ हल्के से मध्यम बारिश होने की संभावना है। दक्षिण गुजरात के सभी जिलों के साथ ही पंचमहल, दाहोद, महीसागर, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ तथा दीव में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को गुजरात के सभी जिलों में छुटपुट तो कहीं हल्की बारिश की संभावना है। उत्तर गुजरात के साबरकांठा, गांधीनगर, अरवल्ली, अहमदाबाद, दाहोद, महीसागर, आणंद, खेडा जिले में सामान्य बारिश का पूर्वानुमान है। सौराष्ट्र के अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ, दीव में भी बारिश की संभावना है। शुक्रवार और शनिवार को सूरत, डांग, नवसारी, वलसाड, तापी, दमण, दादरा नगर हवेली, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ और दीव में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार और सोमवार को नवसारी, वलसाड, तापी, दमण, दादरा नगर हवेली, सौराष्ट्र के अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ, दीव में छुटपुट बारिश की संभावना है। आगामी पांच दिनों तक राज्य के मौसम में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

नाबालिग भतीजी से दुष्कर्म के आरोपी 63 वर्षीय फूफा को 10 साल की सजा

बनासकांठा (ईएमएस) बनासकांठा की दियोदर कोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के 63 वर्षीय आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 साल की सजा सुनाई है।

साथ ही 7 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। आरोपी पीड़ित लड़की का सगा फूफा है, जिसने दो साल पहले उसके साथ दुष्कर्म किया था और किसी को कुछ बताने पर उसे जान से मार देने की धमकी दी थी। बनासकांठा जिले के दियोदर में दो साल पहले एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई थी। नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने वाला कोई और नहीं बल्कि 63 वर्षीय उसका सगा फूफा थी।

जिसने रात्रि के दौरान एकांत का फायदा उठाते हुए सगी भतीजी के साथ दुष्कर्म किया और किसी को कुछ बताने पर जान से मार देने की धमकी दी थी। घटना के बारे में दियोदर पुलिस थाने में 63 वर्षीय आरोपी मोबताजी ठाकोर के खिलाफ पोस्को के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। दियोदर कोर्ट ने दो साल पुराने इस मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी को दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनाई है। साथ ही रु. 7 का जुर्माना भी लगाया है।

फर्जी आवेदनों में आई कमी: जीएसटी सेवा केंद्र शुरू होने के बाद अब तक आवेदनों में औसतन 25 फीसदी की गिरावट देखी गई

गांधीनगर 12 जून: वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने और फर्जी पंजीकरण पर नकेल कसकर टैक्स चोरी को रोकने के उद्देश्य से गुजरात में 7 नवंबर, 2023 को 12 जीएसटी सेवा केंद्रों की शुरुआत की गई है। पासपोर्ट सेवा केंद्र की तरह ही जीएसटी पंजीकरण की सभी प्रक्रियाओं को एक ही केंद्र पर शीघ्रता से पूरा करने के लिए यह व्यवस्था की गई है। इसके परिणामस्वरूप नवंबर, 2023 में जीएसटी सेवा केंद्र की शुरुआत के बाद सात महीनों के भीतर ही वर्ष वित्तीय वर्ष 2022 की तुलना में जीएसटी पंजीकरण आवेदनों की संख्या में औसतन 25 फीसदी की गिरावट देखी गई है।

गुजरात राज्य कर विभाग की जानकारी के अनुसार पहले गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के तथा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जीएसटी पंजीकरण करवाकर टैक्स चोरी की गतिविधियां चल रही थी। लेकिन जीएसटी सेवा केंद्रों पर अब बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होने के कारण मूल आवेदक को सत्यापन के लिए बुलाया जाता है। इसके अंतर्गत एक ही केंद्र पर 40 से अधिक मानकों के आधार पर आवेदन की जांच की जाती है और उसके बाद उन्हें जीएसटी पहचान संख्या (जीएसटीआईएन) दिया जाता है। राज्य तथा केंद्र के जीएसटी पंजीकरण संख्या के बायोमेट्रिक से संबंधित सभी कार्य इन 12 जीएसटी सेवा केंद्रों पर जाने के कारण यह काम बहुत आसान, पारदर्शी और त्वरित हो गया है।

प्राप्त आवेदनों की संख्या और गिरावट

महीना	2022-23	2023-24	कमी (%)
नवंबर	26640	11914	55.28
दिसंबर	23636	19629	16.94
जनवरी	31501	21664	31.23
फरवरी	25484	21202	16.80
मार्च	25107	19825	21.04
अप्रैल	23881	20032	16.12
मई	23989	19777	17.52

अब तक औसत गिरावट 24.99%

गुजरात में 12 जीएसटी सेवा केंद्र

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 7 नवंबर, 2023 को वापी से 12 जीएसटी सेवा केंद्रों का उद्घाटन किया था। अभी राज्य में वापी, गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, गोधरा, मेहसाणा, पालनपुर, राजकोट, भावनगर, जूनागढ़ और गांधीधाम में ये केंद्र शुरू किए गए हैं।

गुजरात जीएसटी सेवा केंद्र शुरू करने वाला देश का पहला राज्य

भारत में सबसे पहले गुजरात में जीएसटी सेवा केंद्र शुरू किए गए हैं। गुजरात में इन केंद्रों की सफलता को ध्यान में रखते हुए इस व्यवस्था को पूरे देश में लागू करने का निर्णय लिया गया है। जीएसटी सेवा केंद्र के क्रियान्वयन के बाद अब तक जीएसटी पंजीकरण आवेदनों में दर्ज की गई औसतन 25 फीसदी की गिरावट से इन केंद्रों की कार्यप्रणाली की प्रभावशीलता का पता चलता है। जीएसटी काउंसिल के सदस्यों के अलावा महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे अन्य राज्यों के अधिकारियों ने गुजरात में शुरू हुए इन केंद्रों का दौरा किया है।

राज्य में 'नमो लक्ष्मी' योजना लागू, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक छात्राओं को मिलेगी वित्तीय सहायता

गाधीनगर (ईएमएस) आचार संहिता खत्म होने के बाद आज पहली बार मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में मोदी सरकार को बधाई दी साथ ही एक भारत श्रेष्ठ भारत की पहल के साथ नई सरकार को शुभकामनाएं प्रेषित की। इसके अलावा कैबिनेट की बैठक में नए शैक्षिक सत्र से 'नमो लक्ष्मी' योजना का ऐलान किया गया। वर्ष 2024-25 के प्रथम शैक्षिक सत्र से नमो लक्ष्मी योजना लागू की गई है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक हुई चर्चा की जानकारी देते हुए प्रवक्ता मंत्री रुशिकेश पटेल ने कहा कि राज्य में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक में पढ़ने वाली छात्राओं के अध्ययन खर्च में वित्तीय सहायता प्रदान करने और उनके परिवारों के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में नमो लक्ष्मी योजना की घोषणा की। नमो लक्ष्मी योजना वर्ष 2024-25 के पहले शैक्षणिक सत्र से लागू की गई है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नए शैक्षणिक सत्र से नमो लक्ष्मी योजना इस उद्देश्य से लागू की है कि कक्षा-9 से कक्षा-12 तक पढ़ने वाली अधिक से अधिक छात्राएं इस योजना से लाभान्वित हो सकें। इस योजना के तहत सहायता प्राप्त करने के लिए अब तक राज्य की 5.31 लाख से अधिक छात्राओं ने पंजीकरण कराया है, जिनमें ज्यादातर कक्षा 10 और कक्षा 12 की छात्राएं हैं। उन्होंने बताया कि नये शैक्षणिक सत्र में कक्षा-9 एवं कक्षा-11 की छात्राओं की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद कक्षा-9 एवं कक्षा-11 की छात्राओं के पंजीकरण में भी वृद्धि होगी और पंजीकरण की संख्या लगभग दोगुनी हो जायेगी। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के विद्यार्थियों में विज्ञान संकाय की शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से कक्षा-11 एवं कक्षा-12 के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए नमो सरस्वती योजना लागू की गई है। जिसमें राज्य सरकार की ओर पढाई के लिए रु. 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाली पात्र छात्राओं को कक्षा-9 और 10 के लिए 10 हजार प्रति वर्ष और कक्षा-11 और 12 के लिए 15 हजार प्रति वर्ष दिए जाएंगे। इस प्रकार इस योजना के तहत कक्षा-12 तक की पढ़ाई पूरी करने वाली प्रत्येक छात्रा कुल 50 हजार की सहायता की पात्र होगी। सरकारी सहायता प्राप्त और निजी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाली पात्र छात्राओं को कक्षा-9 और 10 के लिए 10 हजार प्रति वर्ष और कक्षा-11 और 12 के लिए 15 हजार प्रति वर्ष दिए जाएंगे। इस प्रकार इस योजना के तहत कक्षा-12 तक की पढ़ाई पूरी करने वाली प्रत्येक छात्रा कुल 50 हजार की सहायता की पात्र होगी। फिलहाल नमो लक्ष्मी योजना की सालाना आय सीमा 6 लाख तय की गई है।

तीन वाहनों के बीच दुर्घटना में तीन लोगों की मौत, 3 व्यक्ति बुरी तरह घायल

बनासकांठा (ईएमएस) पालनपुर-अहमदाबाद हाईवे पर भरकवाडा पाटिया के निकट तीन वाहनों के बीच हुई दुर्घटना में कार में सवार तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 3 लोग बुरी तरह से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर पहुंची वडगाम पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले में पालनपुर-अहमदाबाद हाईवे पर सुबह के वक्त भरकावाडा पाटिया के निकट रोंग साइड में आ रही कार के ड्राइवर ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और सामने से आ रहे टेलर से टकरा गई। जिसके बाद ट्रेलर एक ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी की भारी भरकम ट्रेलर भी पलटी खा गया और उसमें लदा माल-सामान सड़क पर बिखर गया। ट्रेलर से टकराने के बाद कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए,

जयन्त चौधरी ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में एमएसडीई का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 11 जून 2024: माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री जयन्त चौधरी ने आज कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) में आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाला। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी ने माननीय मंत्री का स्वागत किया और अपनी शुभकामनाएँ दीं। यह कौशल विकास और उद्यमिता के परिदृश्य को आगे बढ़ाने में एक नए अध्याय की शुरुआत है। कौशल भवन, नई दिल्ली में आयोजित यह अवसर भारत सरकार के 100 दिवसीय एजेंडे में उल्लिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक ठोस प्रयास का प्रतीक है।

इस अवसर पर बोलते हुए कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयन्त चौधरी ने कहा कि, ''भारत में एक विशाल और युवा आबादी है जिसे अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग के अवसरों के साथ सशक्त बनाने की आवश्यकता है। यह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विज़न से पूरी तरह मेल खाता है, जहां प्रत्येक नागरिक को हमारे देश की समृद्धि में योगदान करने और आगे बढ़ने का अवसर मिले। जीवन के सभी क्षेत्रों में नए और उद्योग-सम्बन्धित कौशल की निरंतर आवश्यकता है, और मुझे विश्वास है कि मंत्रालय के सतत प्रयास कौशल और रोजगार परिदृश्य पर ठोस प्रभाव डालेंगे।''

अहमदाबाद में स्कूल वर्धी वाहन चालकों ने बढ़ाया किराया

स्कूल वैन में प्रति महीने दो सौ रुपए जबकि स्कूल ऑटो के लिए प्रति महीने सौ रुपए का इजाफा किया गया है

अहमदाबाद, १२ जून।

अहमदाबाद में अब स्कूल वैन के लिए प्रति माह दो सौ रुपए ज्यादा देने होंगे। स्कूल ऑटो के सौ रुपए प्रति महीने ज्यादा चुकाने होंगे। ढाई साल बाद किराया बढ़ा है।

गुजरात में १३ जून से प्राइमरी से लेकर उच्चतर माध्यमिक तक के स्कूल खुलने वाले हैं। ऐसे में वैन और ऑटो से बच्चों को स्कूल भेजने की तैयारी में जुटे अभिभावकों को अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी। ऐसा इसलिए है ,क्योंकि स्कूल वैन और स्कूल ऑटो का किराया जून २०२४ से ही बढ़ा दिया है। स्कूल वैन में प्रति महीने दो सौ रुपए जबकि स्कूल ऑटो के लिए प्रति महीने सौ रुपए का इजाफा किया गया है।

अब ऑटोरिक्शा में जाने वाले प्रति बच्चे का प्रतिमाह का न्यूनतम किराया ६५० रुपए की जगह ७५० रुपए देना होगा। स्कूल वैन से जाने वाले प्रति बच्चे के लिए अभिभावकों अब एक हजार रुपए की जगह १२०० रुपए प्रति महीने चुकाने होंगे। घर से स्कूल यदि पांच किलोमीटर है तो प्रतिमाह ऑटो रिक्शा का किराया १०५० की जगह ११५० रुपए और स्कूल वैन का किराया १८०० की जगह २००० रुपए तक चुकाना होगा।

अहमदाबाद स्कूल वर्धी एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्मेश ब्रह्मभट्ट एवं उपाध्यक्ष दिलीप जोशी के अनुसार नए शैक्षणिक सत्र २०२४ से स्कूल ऑटो रिक्शा व स्कूल ऑटो के किराए में वृद्धि की गई है। ब्रह्मभट्ट के अनुसार एसोसिएशन ने इससे पहले नवंबर २०२१ में स्कूल वाहन के किराए में वृद्धि की थी। उस समय तीन वर्ष के बाद स्कूल वाहनों का किराया बढ़ाया था। इस बार ढाई साल के बाद किराया बढ़ाने की घोषणा की है।

उन्होंने बताया कि यह भी निर्णय किया गया है कि हर किलोमीटर पर दो सौ रुपए का किराया स्कूल वैन में और सौ रुपए का किराया स्कूल ऑटो में बढ़ाया गया है।

ब्रह्मभट्ट ने बताया कि स्कूल वाहनों का आरटीओ से परमिट रिन्यू कराना होता है। बीमा का खर्च , मरम्मत का खर्च और महंगाई बढ़ी है। ज्यादातर वाहन सीएनजी गैस किट से चलते हैं। ऐसे में हर तीन साल में सीएनजी गैस किट की टेस्टिंग करानी होती है। उसका खर्च रहता है। अग्निशामक यंत्र, मेडिकल किट को रखना सुनिश्चित किया है। ऐसे में भी ढाई साल के बाद किराया बढ़ाया गया है।

अब ये होगा बढ़ा हुआ किराया
कि.मी. ऑटोरिक्शा वैन
१-७५०- १२००
२-८५०- १४००
३-९५०- १६००
४-१०५०- १८००
५-११५०- २०००

गुजरात शिक्षा बोर्ड की कक्षा 11 में प्रवेश को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने आज कक्षा 10 में गणित विषय और कक्षा 11 में प्रवेश को लेकर एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। जिसके मुताबिक अब 10वीं कक्षा में बेसिक और स्टैंडर्ड गणित होगा यदि आपके पास कक्षा 10 में बेसिक और मानक गणित है तो आप कक्षा 11 विज्ञान स्ट्रीम ग्रुप ए, ग्रुप बी, ग्रुप एबी या सामान्य स्ट्रीम में भी प्रवेश पा सकते हैं। यदि यह कक्षा 10 बेसिक गणित है, तो छात्र को मेरिट जांच के माध्यम से साइंस स्ट्रीम ग्रुप ए के लिए प्रवेश मिलेगा। इसका लाभ वर्ष 2024-25 के शैक्षणिक सत्र में मिलेगा।

एनसीबी ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से फिलिपींस की महिला को 2.121 किग्रा हेरोइन के साथ पकड़ा

अहमदाबाद (ईएमएस) नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) अहमदाबाद के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बड़ी कार्यवाही करते हुए फिलिपींस की एक महिला को 2.121 किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के मुताबिक कल रात एक महिला हेरोइन लेकर बाहर आ रही थी। एनसीबी ने पूर्व सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए महिला की घेराबंदी की और उसके सामान की तलाशी ली। महिला के सामान से 2.121 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार 41 वर्षीय महिला जिनालीन पदिवान लिमोन से शुरुआती पूछताछ में पता चला कि वह हेरोइन की सप्लाय करने गुजरात आई थी। एनसीबी ने फिलीपींस की महिला को गिरफ्तार कर अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया सिंडिकेट की कमर तोड़ने में सफलता हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया देश में नशे का दूषण फैलाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। हालांकि एनसीबी भी इस के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है।

मच्छु केनाल के निकट से महिला का शव बरामद, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

मोरबी (ईएमएस) जिले के रवापर-लीलापर गांव के बीच मच्छु केनाल के निकट से एक महिला का शव बरामद हुआ है। केनाल के निकट महिला के शव बबूल की झाडियों से ढांक दिया गया था। आशंका है कि दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या की गई। पुलिस ने फोरेंसिक पोस्टमार्टम के लिए शव को राजकोट भेज मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक मोरबी जिले केरवापरसे लीलापर की ओर जाने वाली सड़क के निकट मच्छु केनाल गुजरती है। केनार के पर बने नाले केनीचे से तीव्र दुर्गंध के चलते जांच की गई। तो वहां एक महिला का सडांध मारता शव पड़ा था। सूचना मिलने परमोरबीएडिवीजन पुलिस घटनास्थल पर पहुंचगई। मृतक के शव को बबूल की झाडियों से ढांक दिया गया था। पुलिस ने महिला की मौत का कारण जानने के लिए उसके शव को फोरेंसिक पोस्टमार्टम के लिए राजकोट के सर कारी अस्पताल भेज दिया। मोरबी पुलिस के मुताबिक मृतक महिला के हाथ पर सुनीताबेन भुरुभाई गुदा हुआ है,

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा लोको शेड वटवा पुरस्कृत

अखिल भारतीय रेलवे स्तर पर आयोजित लोको कैब अपग्रेडेशन प्रतियोगिता मे रेलवे बोर्ड द्वारा अहमदाबाद मण्डल के लोको शेड वटवा को विजेता घोषित करने पर महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री अशोक कुमार मिश्र ने लोको शेड वटवा को पुरस्कृत किया।

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद रेल मंडल के लोको शेड, वटवा ने मार्च-2023 में 3-फेज इलैक्ट्रिक इंजन के मैंटेनेंस की शुरुआत की थी वह निरंतर जारी है। वटवा शेड के रेल कर्मियों की इसी कड़ी मेहनत का परिणाम है कि हाल ही में पटियाला लोकॉमोटिव वर्क्स (पी.एल.डब्लू.) पटियाला में अखिल भारतीय रेलवे स्तर पर आयोजित लोको कैब अपग्रेडेशन प्रतियोगिता मे रेलवे बोर्ड द्वारा लोको शेड वटवा को इलैक्ट्रिक लोको शेड, लालगुड़ा के साथ संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया।

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर, वटवा श्री एस.पी. गुप्ता ने बताया कि लोको शेड वटवा द्वारा लोको कैब अपग्रेडेशन प्रतियोगिता के तहत लोको कैब को क्रू-फ्रेंडली बनाने के उद्देश्य से लोको संख्या 33688 को अपग्रेड किया गया है, इसी क्रम में वटवा शेड द्वारा कई महत्वपूर्ण सुविधाएं जैसे लोको कैब के साउंड लेवल में कमी, लोको कैब का आकर्षक इंटीरियर, लोको में लुकाउट ग्लास की डी-फोगिंग प्रणाली का उन्नयन, लाइन पर लोको ट्रबल शूटिंग हेतु टैब का प्रावधान, क्रू हेतु पानी रहित शौचालय, लगेज स्टोरेज, फ्रीज़ इत्यादि का प्रावधान किया गया है।

मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र के साथ अपर महाप्रबंधक श्री प्रकाश बुटानी, प्रधान मुख्य इलेक्ट्रिक इंजीनियर श्री रंजन श्रीवास्तव व मुख्य इलेक्ट्रिक लोको इंजीनियर श्री विवेक दीक्षित भी मौजूद थे।

सातवीं मंझिल से गिरकर दो साल के बच्चे की दर्दनाक मौत

सूरत (ईएमएस) सूरत से मासूम बच्चों को अकेले छोड़ देनेवाले माता-पिता को सचेत करनेवाली घटना सामने आई है। घटना के सामने आए सीसीटीवी फूटेज किसी के भी रोंगटे खड़े देंगे। शहर के क्षेत्र में दो साल के एक बच्चे की सातवीं मंझिल से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना है सूरत के पाल क्षेत्र स्थित सेलिब्रेशन बिल्डिंग की है। जानकारी के मुताबिक हाउसकीपिंग का काम करनेवाली एक महिला अपने दो वर्षीय बेटे के साथ सूरत के पाल क्षेत्र की सेलिब्रेशन बिल्डिंग की सातवीं मंझिल पर गई थी। दो साल का बच्चा सातवीं मंझिल पर रेलिंग के निकट खेल रहा था

जिओस्टार यूएसए एडवान्स्ड स्टेम सेल थेरेपी के साथ रिजनरेटिव मेडिसीन में क्रांति ला रही है

अहमदाबाद, 12 जून, 2024 - स्टेम सेल रिसर्च और रिजनरेटिव मेडिसीन के क्षेत्र में एक अमेरिका स्थित ग्लोबल लीडर ग्लोबल इंस्टीटयूट ऑफ स्टेम सेल थेरेपी एंड रिसर्च (जिओस्टार) मेडिकल साइंस में अग्रणी प्रगति कर रहा है, जो विश्व में और भारत में असंख्य डिजनरेटिव और आनुवंशिक रोगों के लिए अभिनव समाधान प्रदान करता है। डॉ. दिव्यांग पटेल की अध्यक्षता में भारतीय परिचालन का मुख्यालय अहमदाबाद, गुजरात में है। कंपनी का लक्ष्य अपने परिचालन का विस्तार करना और अत्याधुनिक एवं अद्वितीय स्टेम सेल आधारित रिजनरेटिव थेरपीज और प्रोडक्ट्स के साथ मानव रोगों के इलाज की खोज और विकास पर प्राथमिक ध्यान देने के साथ स्वास्थ्य सेवा समाधान पेश करना है।

जिओस्टार की स्थापना विज्ञान और व्यवसाय के क्षेत्र के दो लीडर्स अध्यक्ष एवं सह-संस्थापक डॉ. आनंद श्रीवास्तव और सीईओ एवं सह-संस्थापक श्री देवेन पटेल द्वारा की गई थी।

जिओस्टार के सीईओ और सह-संस्थापक श्री देवेन पटेल ने बताया कि, ''रिजनरेटिव मेडिसीन उन बीमारियों के इलाज का वादा करती है जिन्हें पहले लाइलाज माना जाता था। जिओस्टार की शुरुआत अत्याधुनिक और अद्वितीय स्टेम सेल आधारित उपचारों और प्रोडक्ट्स के साथ मानव रोगों के इलाज की खोज और विकास के दृष्टिकोण और प्राथमिक फोकस के साथ की गई थी। हम रोग मुक्त जीवन और उम्र बढ़ने के बिना जीने का विकल्प प्रदान करते हैं।''

मेडियल डायरेक्टर डॉ. दिव्यांग पटेल ने कहा, ''रिजनरेटिव मेडिसीन के लिए जिओस्टार का अनूठा दृष्टिकोण नो न-इन्वेजिव ट्रीटमेन्ट्स, न्यूनतम डाउनटाइम और एक असाधारण सेफ्टी प्रोफ़ाइल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से प्रतिष्ठित है। यह क्रांतिकारी दृष्टिकोण न केवल बीमारियों के मूल कारण को लक्षित करता है, बल्कि दुष्प्रभावों की संभावना को भी काफी कम कर देता है, जिससे रोगियों को पहले से लाइलाज समझी जाने वाली स्थितियों के लिए नई आशा मिलती है।

इसके अलावा डॉ. दिव्यांग पटेल ने बताया कि, ''हमने कई मधुमेह रोगियों को देखा है जो बहुत उच्च ब्लड सुगर के स्तर के साथ आए थे और कुछ महीनों में हमारे रिजनरेटिव उपचारों के साथ उनका एचबीए1सी स्तर सामान्य सीमा पर आ गया है।

13 जून की पोरबंदर-मुजफ्फरपुर मोतिहारी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी

उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल में स्थित ब्रिज नं 545 के मैंटेनेंस कार्य और पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते राजकोट मंडल से होकर जानेवाली पोरबंदर-मुजफ्फरपुर मोतिहारी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी। 13 जून, 2024 को पोरबंदर से चलने वाली ट्रेन नं 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर मोतिहारी एक्सप्रेस अजमेर मंडल में ब्रिज के मैंटेनेंस कार्य के चलते अपने निर्धारित रूट वाया मारवाड़-अजमेर-फुलेरा की जगह परिवर्तित मार्ग वाया जोधपुर-मेड़ता रोड-डेगाना और समस्तीपुर मंडल में ब्लॉक के चलते अपने निर्धारित रूट वाया मोतिहारी-मुजफ्फरपुर की जगह परिवर्तित मार्ग वाया होकर चलेगी। जिन स्टेशनों पर यह ट्रेन नहीं जाएगी उसमें ब्यावर, अजमेर, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारि, चकिया और मेहसी शामिल हैं।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबन्धित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indâian rail.gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

19 अक्टूबर तक असारवा-जयपुर और असारवा-इंदौर एक्सप्रेस सरदारग्राम स्टेशन पर नहीं रुकेगी

पश्चिम रेलवे द्वारा असारवा-जयपुर एक्सप्रेस तथा असारवा-इंदौर एक्सप्रेस ट्रेनों का सरदारग्राम स्टेशन पर ठहराव तकनीकी कारणों से 20 जून 2024 से 19 अक्टूबर 2024 (चार महीने) तक अस्थाई तौर पर स्थगित किया गया है। जो इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 12982/12981 असारवा-जयपुर-असारवा एक्सप्रेस तथा ट्रेन संख्या 19315/19316 इंदौर-असारवा-इंदौर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सरदारग्राम स्टेशन पर 20 जून 2024 से 19 अक्टूबर 2024 (चार महीने) तक अस्थाई तौर पर स्थगित किया गया है।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.iâianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95